डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 81 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 02 जनवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

खुलेआम बिक रहा चायनीज मांझा

लोग खरीद भी रहे, आम आदमी की जान सांसत में

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के खानपुरा क्षेत्र से गुजरते समय बीते दिनो बाइक सवार युवक नायलॉन डोर की चपेट में आने से घायल हो गया था। युवक के गले व कान पर गहरा कट लगने से काफी खून बहा था। निजी अस्पताल ले जाकर उसका इलाज करवाया गया। इसके अलावा अन्य दो व्यक्ति भी इसी डोर से घायल हो गए। यह सिर्फ एक उदाहरण है। ऐसी कई घटनाएं सामने आ रही है। इसके बाद भी चायनीज मांझे का उपयोग बंद नहीं हो रहा। जबकि, इस पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रतिबंध के बावजूद दुकानों पर यह खुलेआम बिक रहा है। बता दें कि 29 नवंबर को ही कलेक्टर ने नायलॉन या किसी सिंथेटिक सामग्री से बने डोर (मांझा) पतंग स्ट्रिंग पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी कर दिए थे। यह आदेश सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहने के चलते न कोई जांच शुरू हो पाई है और न ही अब तक कोई कार्रवाई की गई। मकर संक्रांति पर्व में अब कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में पतंग व डोर को लेकर दुकानें तैयार होकर ग्राहकों का इंतजार कर रही है। समय रहते प्रशासन ने अंकुश नहीं लगाया तो और गंभीर हादसे हो सकते हैं।

जानकारी के अनुसार वर्तमान में शहर के खानपुरा, मदारपुरा, नाहर सैय्यद रोड, कालाखेत मैदान सहित अन्य स्थानों पर प्रतिबंधित चायनीज मांझे से बचे पतंग उड़ाते हुए देखे जा सकते हैं। पिछले दो सालों में प्रशासन ने सख्ती करते हुए एफआईआर भी की लेकिन बावजूद हालात नहीं बदले हैं। एफआईआर के बाद भी दुकानदार नहीं मान रहे और प्रतिबंधित सामग्री बेचने से नहीं डर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्रतिबंधात्मक आदेश जारी हो चुके हैं। दुकानों की जांच की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नया फंडा: कुत्ते के गले में पट्टा डालकर पालतू का टैग

एक माह में 350 से ज्यादा लोगों को कुत्तों ने बनाया शिकार

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। इन दिनो प्रतिदिन शाम को कई मोहल्ले और कॉलोनियों में स्ट्रीट डॉग का खौफ महसूस किया जा सकता है। विशेषकर ठंड के पीक पर होने से कुत्तों का खतरा और ज्यादा बढ़ गया है। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जिले में दिसंबर माह में 365 लोगो को कुत्तो ने शिकार बनाया। इसके पहले नवंबर में यह आंकड़ा सात सौ तक पहुंच गया था। अब जनवरी में ठंड पीक पर होने से यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। एक्सपर्ट की माने तो मौसम में बदलाव के कारण इरिटेट व पीक टाइम होने के चलते यह स्थिति बन रही है। ऐसे में लोगों को सतर्क व जागरूक रहने की आवश्यकता है। बात करें लोगों की तो कई जगहों पर अभी भी कथित पशु प्रेमियों का श्वान प्रेम लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहा है। गली मोहल्लों के कुत्तों के गले में पट्टा डालकर उस पर पालतू का टैग लगा रहे हैं।

ठंड बढ़ने के साथ ही खूंखार हुए स्ट्रीट डॉग

शहर में कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। अभी भी रोजाना सरकारी और निजी अस्पतालों में कुत्तों के शिकार होकर लोग पहुंच रहे हैं। इधर नगरपालिका की टीम की कार्रवाई के बीच रोडा बन रहे कथित पशु प्रेमियों ने नया पैतरा ईजाद कर लिया है। शहर में कई जगहों पर गलियों, मोहल्लों में घूम रहे कुत्तों के गले में पट्टेदेखे जा सकते हैं। यह पट्टे लगाकर इन्हें पालतू का टैग लगाया जा रहा है। जबकि, कुत्ता सहित अन्य पालतू जानवरों के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। घरों में पाले जा रहे कुत्तों के रजिस्ट्रेशन भी नगरपालिका में नहीं कराए गए है। बता दे कि शहर में 2 हजार से अधिक कुत्ते हैं। इनमें से करीब 500 पालतू हैं। लेकिन, निकाय में एक का भी रजिस्ट्रेशन नहीं है। हैरत की बात यह भी है कि संबंधित अधिकारियों का ध्यान भी इस और नहीं है।

नया नियम लागू नहीं...

मध्यप्रदेश में शहरी सीमा में पालतू जानवरों के पालने पर सात दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। मप्र नगर पालिका (आवारा जानवरों का पंजीकरण और उचित नियंत्रण) नियम 2023 मार्च 2024 से लागू है। लेकिन, जिले के नगरी निकायों में इस पर कोई अमल नहीं हो रहा है। नए नियम के तह शहरी क्षेत्र में कुत्ते, बिल्ली, गाय, बैल, भैंस के साथ-साथ अन्य पशु पालने वालों को रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके लिए सालाना शुल्क भी अदा करना होता है। रजिस्ट्रेशन के बाद हर पशु के लिए पहचान चिन्ह जारी करने का भी नियम है। इसके बाद पालतू पशु आवारा घूमता पाया गया तो नोटिस के साथ जुर्माना भरना होता है। पंजीयन नगर निगम या नगरीय निकायो में होता है। रजिस्ट्रेशन न होने पर प्रतिदिन रजिस्ट्रेशन शुल्क के 10 प्रतिशत की दर से हर्जाना का नियम है।

सीएम हेल्पलाईन भी हेल्पलेस...

शहर का हर क्षेत्र आवारा कुत्तों के आतंक से परेशान है। स्थिति यह है कि कुत्तों के झुंड गली-मोहल्लों के साथ चौराहों और मुख्य सड़कों पर घूमते रहते हैं। बच्चों के साथ हर आने-जाने वाले पर लपकते हैं। परेशान लोगों द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर भी दर्जनों शिकायतें की जा चुकी है। लेकिन, कुत्तों के आगे जिम्मेदार और सीएम हेल्पलाईन भी हेल्पलेस नजर आ रही है। कई बार क्षेत्र के रहवासी थाने व नपा कार्यालय पहुंच चुके हैं। उनका कहना है कि आवारा कुत्तों के भय के चलते बच्चों के साथ बड़ो का बाहर रहना मुश्किल हो गया है।

एक से तीन माह में दिखने लगता असर...

रेबीज वायरस से संक्रमित श्वान के काटने पर संक्रमण व्यक्ति के शरीर में पहुंच जाता है। इसका लक्षण सामान्यतया एक से तीन माह में दिखता है। प्रतिरोधी क्षमता अनुसार थोड़ा समय भले ले। लेकिन, जीवन पर बन आती है। ऐसे में श्वान के काटने पर डाक्टर एहतियातन एंटी रेबीज वैक्सीन जरूर लगवाने की सलाह देते हैं। जिस श्वान ने काटा वह संक्रमित है या नहीं, पता न होने से आमतौर पर अस्पतालों में टीकाकरण के लिए लंबी कतार लग रही है। बंदर व बिल्ली के काटने पर भी टीकाकरण किया जाता है।

घाव गहरा होने पर यह उपाय जरूरी...

श्वान के काटने पर यदि घाव अधिक गहरा हो तो उसे साबुन से कम से कम 15 मिनट तक धोना चाहिए। इसके बाद बीटाडीन से अच्छी तरह से साफ करना चाहिए ताकि वायरस शरीर में न फैल सके। वहीं 72 घंटे के भीतर टीकाकरण जरूरी तौर पर कराना चाहिए। एंटी रेबीज का टीका प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला स्तरीय चिकित्सालयों में नि:शुल्क लगाया जाता है। रेबीज के 97 प्रतिशत मामले संक्रमित श्वान के काटने के कारण होते हैं।

नए वर्ष में भगवान का लिया आशीर्वाद- कैलेंडर वर्ष 2025 के पहले दिन बुधवार को बड़ी संख्या में लोगो ने भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

किसानों से कर्जा वसूलने के लिए परेशान बैंक, अदालत की शरण में पहुंचे...

सत्तर हजार धरतीपुत्रों पर 570 करोड़ रुपए बकाया

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्राकृतिक आपदा, चायनीज लहसून सहित अन्य समस्याओं से लड़ रहे किसानो को दिया हुआ कर्ज वसूलने के लिए बैंक परेशान है। अकेले जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मंदसौर-नीमच की 172 सोसायटियों के 70 हजार 33 किसानों को डिफाल्टर की श्रेणी में डाला जा चुका है। इन पर 570 करोड़ 47 लाख रुपए बकाया हैं। ऐसे 34 हजार किसान जिन पर 50 हजार या उससे ज्यादा राशि बकाया है, उन्हें अदालत से रुपए जमा करने के नोटिस दिए गए हैं।

दरअसल कुछ दिन पहले सोसायटियों के प्रबंधकों ने सूची तैयार कर बैंक को भेजी थी। इसमें ऐसे किसानों को शामिल किया गया है। जिन्होंने 2 या इससे ज्यादा सालों से कर्ज नहीं चुकाया है। अब इनसे वसूली के लिए तहसील न्यायालयों की मदद ली जा रही है। इसमें उन 9 हजार 500 किसानों को भी शामिल किया है जो 4 साल पहले कर्जमाफी के दायरे में आए थे। लेकिन, सरकार बदल जाने से माफी का लाभ नहीं ले पाए। मामले में बैंक के प्रभारी सीईओ का कहना है कि प्रक्रिया कराने के लिए अदालत की मदद ले रहे हैं। बैंक के कार्यक्षेत्र में दोनों जिलों में से मंदसौर जिले के 5 विकासखंड मंदसौर, सीतामऊ, मल्हारगढ, गरोठ व भानपुरा आते हैं। इसी तरह नीमच जिले के नीमच, जावद और मनासा ब्लॉक शामिल हैं। मंदसौर जिले में बैंक की 104 सोसायटियां संचालित हैं। जबकि, नीमच जिले में इनकी संख्या 68 है। वर्तमान में बैंक के खरीफ व रबी सीजन के खाताधारक किसानों की संख्या 5 लाख तक बताई जा रही है। जो शून्य फीसदी ब्याजदर के तहत नियमित लेन-देन करते हैं।

मंदसौर के 52 हजार 257 डिफाल्टरों पर 427 करोड़ 72 लाख बकाया...

बैंक स्तर पर पिछले दिनों जो रिपोर्ट तैयार हुई, उसके अनुसार मंदसौर जिला सहकारी बैंक की 104 सोसायटियों से 52 हजार 257 डिफाल्टर किसानों पर 427 करोड़ 72 लाख रुपए बकाया हैं। संबंधितों को नोटिस भेजकर अपना पक्ष रखने को कहा गया है। इधर, जहांतक खरीफ सीजन 2024 की बात है। मंदसौर जिले के 85 हजार 160 किसानों ने 560 करोड़ रुपए का ऋण ले रखा है, जो प्रक्रिया में है। संबंधितों ने 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2024 के दौरान ऋण लिया था।

नीमच में 17 हजार 776 डिफाल्टरों से 142 करोड़ 74 लाख वसूली बाकी...

नीमच जिले में बैंक की 68 सोसायटियां संचालित होती हैं। यहां 2 साल से ज्यादा व 15 साल के भीतर वाले 17 हजार 776 डिफाल्टर किसानों से 142 करोड़ 74 लाख रुपए वसूली बाकी है। तहसीलों में सभी की पेशी होना है। नोटिस थमाए जा रहे हैं। इधर खरीफ सीजन 2024 में नीमच जिले के 41 हजार 279 किसानों ने 278 करोड़ रुपए का कृषि ऋण ले रखा है, जिन्हें 28 मार्च तक राशि जमा कराना है। मंडियों में जनवरी-फरवरी में उपज आने के साथ ही राशि जमा होने लगती है।

एक्सप्रेस वे पर कार दुर्घटना में महिला की मौत, दो घायल

गरोठ, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। एक्सप्रेस वे पर सड़क हादसों का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर गरोठ क्षेत्र के ग्राम बर्डिया अमरा के पास एक्सप्रेस वे पर कार दुर्घटनाग्रस्त गई। जिसमें एक महिला की मौत हो गई। वहीं एक बालक सहित दो जन घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को बर्डिया अमरा के नजदीक एक्सप्रेस वे पर एक कार एमएच 12 एसई 2549 अनियंत्रित होकर सड़क से उतरकर रैलिंग से टकरा गई। इसके बाद पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। कार में

सवार एक महिला, बालक और एक व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया। यहां प्रज्ञा पति राजरतन मराठा उम्र 38 वर्ष की मौत हो गई। वहीं एक दस साल का बालक सहित दो को प्राथमिक उपचार के बाद झालावाड़ रेफर किया गया। घायल और मृतक महाराष्ट्र पुणे के पास के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

बीजेपी जिलाध्यक्ष चुनाव:आज निर्वाचन अधिकारियों से वन-टू-वन

भोपाल में होगी चर्चा, दर्जन भर जिलाध्यक्ष फिर होंगे रिपीट

भोपाल, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अंग्रेजी नए साल 2025 के आगाज के साथ ही भाजपा को नया जिलाध्यक्ष मिलेगा। बीजेपी के संगठनात्मक 60 जिलों में जिला अध्यक्षों के चुनाव को लेकर रायशुमारी पूरी हो गई है। सभी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों की रायशुमारी के आधार पर आज गुरुवार से जिलाध्यक्ष के लिए पैनल तैयार किए जाएंगे। जिले में जिस नेता का नाम सबसे ज्यादा लोगों ने दिया है, पैनल में उसका नाम सबसे उम्र रहेगा। बुधवार को निर्वाचन अधिकारी ने नाम के लिफाफों को खोल कर मेरिट के आधार पर पैनल तैयार किया। जिसके बाद भोपाल के प्रदेश कार्यालय पर प्रदेश के नेता जिला निर्वाचन अधिकारियों से वन-टू-वन करेंगे।

भाजपा ने सभी 60 संगठनात्मक जिलों के लिए एक-एक जिला निर्वाचन अधिकारी और दो-दो सह निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किए थे। इन जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अपने आवंटित जिले में जाकर राय शुमारी की। इसमें विधायक, पूर्व विधायक, सांसद, पूर्व सांसद, मोर्चा-प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष, जिले में निवासरत प्रदेश पदाधिकारी, वर्तमान और पूर्व जिलाध्यक्ष और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा की गई। हर नेता से जिलाध्यक्ष के लिए पांच नामों का पैनल मांगा गया। इसमें पहले तीन नामों में महिला का नाम भी मांगा गया। जिले के जातिगत समीकरण के हिसाब से भी एक नाम मांगा गया। सभी नेताओं ने अपने नाम बंद लिफाफे में निर्वाचन अधिकारियों को दिए। बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारियों ने लिफाफे खोलकर पैनल तैयार किया। अब आज गुरुवार ... शेष पेज 4 पर

अगले तीन दिन रहेगा शीतलहर का असर

कोहरा छाया रहेगा; सात डिग्री पर पहुंचा न्यूनतम तापमान

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अंचल में नए साल की शुरुआत कड़ाके की ठंड के साथ हुई है। शहर सहित अंचल में सुबह 10.30 बजे तक घना कोहरा छाया रहा। घने कोहरे ने वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ाई। क्योंकि, विजिबिलिटी 200 मीटर रही। ठंडी हवाओं से तापमान में गिरावट का दौर बना हुआ है।

जिले में न्यूनतम तापमान सात डिग्री व अधिकतम तापमान 23 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन शीत लहर और कोहरे का अलर्ट जारी किया है। मौसम जानकारों के अनुसार माह के आखरी तक कड़ाके की ठंड का दौर रहेगा। शुरुआती 3 दिन प्रदेश के आधे हिस्से में कोहरा रहेगा। कुछ जिलों में शीतलहर भी चलेगी। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी के चलते दिसंबर के आखिरी दिनों में बारिश और ओले का दौर रहा। अब बारिश का दौर खत्म होते ही ठंड का असर बढ़ गया है। ऐसा मौसम जनवरी में पूरे महीने ही बना रहेगा।

मौसम विज्ञानियो के अनुसार जम्मू-काश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख में बर्फबारी हो रही है। आने वाले दिनों में बर्फ पिघलेगी। जिससे उत्तरी हवा चलेगी और मध्यप्रदेश में ठंड का असर बढ़ जाएगा। इस कारण जनवरी में प्रदेश का मौसम ठंडा ही रहेगा।

इस माह 20-22 दिन चल सकती है शीतलहर...

मौसम विभाग के अनुसार इस माह 20 से 22 दिन तक शीतलहर और कोल्ड डे का असर रह सकता है। शुरुआती दो दिन में ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग के जिलों में शीतलहर का असर देखने को मिलेगा। इसके बाद पूरे प्रदेश में असर बढ़ जाएगा।

कांग्रेस में कांग्रेस सींचने वाला ढूंढना चारे में सुई ढूंढने जैसा है..!

मंदसौर/उज्जैन, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। चार विधानसभा क्षेत्र वाले मंदसौर जिले में एक सच्चे निष्ठावान समर्पित कांग्रेसी की तलाश जारी है। ऐसे कार्यकर्ता को खोजने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने योजना के तहत काम शुरू कर पर्यवेक्षकों को जिम्मेदारी देकर काम पर लगा दिया है। आज मंदसौर में पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह इसी काम के लिए नगर में रहेंगे और मेल मुलाकात कर जिला अध्यक्ष बनने लायक कांग्रेसी को ढूंढेंगे। काम कठिन है, पर कांग्रेस को फिर से मजबूत बनाना है। हाईकमान अनुसार इसलिए गंभीरता से करना भी है। सही व्यक्ति का चयन कर पाएंगे या नहीं यह अलग बात है। जैसे पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन एकदम सही कांग्रेसी है। पर उनकी अपनी कांग्रेस के लिए चयन क्षमता कमजोर या अदूरदर्शी या सर्वप्रिय दायरे में नहीं गिनी जा सकी थी। आज के वातावरण में भी इसका असर बना हुआ है। उनकी छवि और कार्य प्रणाली ने भी कांग्रेस के जनाधार पर नकारात्मक असर डाला हुआ है। आज कांग्रेस का जो हाल संसदीय क्षेत्र में बना हुआ है, उसके लिए मीनाक्षी के साथ यहां के पूर्व छत्रप नेता जिम्मेदार है। जो एक दशक तक मंत्री रहे और आपस में अपने राजनीतिक साम्राज्य के लिए प्रतिस्पर्धा करते रहे। नतीजा कांग्रेस को जन आधार का नुकसान होता गया।

चन्द्रमोहन भगत

आज जन आधार का ग्राफ देखें तो सभी में स्पष्ट है कि कांग्रेस पासिंग मार्क तक भी नहीं पहुंच पाती है। एकमात्र विधायक कांग्रेसी विपिन जैन अपनी कार्यप्रणाली, व्यवहार और निजी लोकप्रियता के कारण विधायक हैं। वरन कांग्रेस की लोकप्रियता को पैमाने से देखें तो पिछले 20 सालों से भाजपा के विधायक बनते रहे हैं। जिसमें यशपाल सिसोदिया तीन बार लगातार बने हैं और चौथी बार भी विपिन जैन से मात्र 2050 मतों से हारे हैं। आज भी यहां कांग्रेस में नए नेता तो पनप रहे हैं। लेकिन, कांग्रेस का जन आधार स्थिर कहा जा सकता हैं, वह भी एकमात्र विपिन जैन के कारण। एक समय था कि मंदसौर कांग्रेस का जनमत का उपजाऊक्षेत्र था। जीत हार का अंतर और संसदीय क्षेत्र से कुछ विधायकों की उपस्थिती रहना इसका प्रमाण है। तब के दौर में मीनाक्षी नटराजन भी यहां आकर सांसद बनी थी। अपनी हाई लेवल राजनीति के कारण सांसद बनते ही वार्ड स्तर के कार्यकर्ताओं के छोटे-मोटे कामों को नियमों की फ्रेम से देखने लगी थी। इसी कारण जनमत में नाराजी बडी और बाद का चुनाव हारी भी थी। राष्ट्रीय संगठन में अपने वजूद के लिए जानी जाती हैं। किन्तु संसदीय क्षेत्र में खुद और कांग्रेस के लिए अप्रासंगिक हो चुकी है। बावजूद इसके जिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में उनके समर्थकों की संख्या सम्मानजनक होने के बाद भी उनकी पसंद के खास कार्यकर्ताओं को भी सभी नेता समूह में पसंद नहीं किया जाता है। यही कारण है कि महेंद्र गुर्जर हाशिए पर जाते जा रहे हैं, दूसरे श्यामलाल जोगचंद को बीते विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बनने की दौड के समय अकेला छोड दिया था। नतीजे में कांग्रेस को उनकी बगावत झेलना पडी थी। संसदीय चुनाव में खुद मीनाक्षी ने हार के डर से मैदान छोडा था। तब नागदा के दिलीप गुर्जर को यहां से चुनाव लडवाया गया था। 1984 के बाद कांग्रेस में देशभर में इतने सारे नए नेता सिरमौर हो गए थे कि जमीनी नेताओं कार्यकर्ताओं को दुविधा होती थी कि किसे राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंचाने का सूत्रधार माने। यह भी शास्वत सच है कि इसी दौर से कांग्रेस में गिरावट आना शुरू हुई थी। जिसे आज तक रोका नहीं जा पा रहा है। वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष खडगे के सुधारवादी प्रयास कितने कारगर होंगे, समय बताएगा। ऐसा इसलिए माना जा रहा है की आंतरिक विध्वंस अभी भी आपस में जारी है। पहले की अनुशासनहीनता के साथ जब इन पर अंकुश लग जाएगा तो स्वत: कांग्रेस की प्रगति और जन आधार का ग्राफ शायद उम्मर जाते हुए नजर आने लगेगा।

विचार-मंथन

2008 की मंदी के बाद सबसे बड़ी गिरावट

विदेशी मुद्रा भंडार और डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट आर्थिक विकास की दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय है। डालर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर लंबे समय से नीचे का रुख किए हुए है। अब विदेशी मुद्रा भंडार भी तेजी से घटना शुरू हो गया है। बीते सप्ताह शुक्रवार को इसमें 8.48 अरब डालर की कमी दर्ज की गई। यह 2008 की मंदी के बाद अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। इसके पिछले हफ्ते भी 1.99 अरब डालर की गिरावट दर्ज हुई थी। सितंबर में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 704.88 अरब अमेरिकी डालर के अपने सर्वाधिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। मगर उसके बाद इसमें लगातार कमी दर्ज हो रही है। अब विदेशी मुद्रा भंडार गिर कर 644.87 अरब अमेरिकी डालर पर पहुंच गया है। हालांकि यह स्तर अभी चिंताजनक नहीं माना जा सकता, मगर जिस तरह निरंतर इसमें गिरावट दर्ज हो रही है, वह अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। विदेशी मुद्रा भंडार गिरने का अर्थ है कि अपेक्षित विदेशी निवेश नहीं आ पा रहा। इसकी वजह भी साफ है। अमेरिकी डालर लगातार मजबूत हो रहा है, जिसके चलते विदेशी निवेशक भारत से अपना पैसा निकाल कर लगाने लगे हैं। दुनिया के कारोबार में डालर की स्थिति अहम भूमिका निभाती है। डालर कमजोर होता है, तो विदेशी निवेशक दूसरे देशों का रुख करने लगते हैं। मगर जैसे ही डालर मजबूत होने लगता है, वे अमेरिकी बाजार का रुख कर लेते हैं। कोरोना के बाद मंदी की मार झेल रहे अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने अपने यहां ब्याज दरों में बदलाव किए। इससे निवेशकों को वहां निवेश करने के लिए आकर्षित करने में मदद मिली। फिर, डोनाल्ड ट्रंप के दुबारा राष्ट्रपति चुने जाने और आर्थिक नीतियों को लेकर उनके बयानों से निवेशकों में विश्वास जगा है कि निवेश की दृष्टि से अमेरिका ज्यादा फायदेमंद जगह है। इसका असर भारत के मुद्रा भंडार पर भी पड़ा है। मगर केवल यही कारण प्रमुख नहीं है। सबसे अहम बात है कि हमारा व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। निर्यात पर जोर देने के बावजूद इसमें बेहतरी के संकेत नजर नहीं आ रहे। आयात लगातार बढ़ रहा है। इसका सीधा असर घरेलू उत्पादन और बाजार पर पड़ रहा है। यह अकारण नहीं है कि पिछली कुछ तिमाहियों से विनिर्माण क्षेत्र हिचकोले खाता नजर आ रहा है। सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में औद्योगिक उत्पाद गिरा है। जब तक इस क्षेत्र में मजबूती नहीं आएगी, तब तक रुपए की कीमत और विदेशी मुद्रा भंडार में बेहतरी की उम्मीद धुंधली बनी रहेगी। रुपए की कीमत गिरने से विदेशी निवेशकों का उत्साह भी कम होता है। कोई भी निवेशक ऐसी जगह अपना पैसा नहीं लगाना चाहता, जहां उसे मुनाफा न हो। फिर तमाम कोशिशों के बावजूद महंगाई अपने उच्च स्तर पर बनी हुई है, जिसके चलते भारतीय बाजार में चमक नहीं लौट पा रही। इसका बड़ा कारण प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी न हो पाना है। पिछले कई सालों से लोगों की आय यथावत बनी हुई है, जबकि उसकी तुलना में महंगाई काफी बढ़ चुकी है। जाहिर है, इसके चलते उपभोक्ता व्यय घटा है। ऐसी स्थिति में स्वाभाविक ही सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की दर नीचे गई है। जब तक मानव विकास के मोर्चे पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक तदर्थ उपायों से अर्थव्यवस्था में बेहतरी लाने की कोशिशें नाकाम ही साबित होंगी।

दूरगामी लाभ का निर्णय है जिलों की समाप्ति का निर्णय

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राजनीतिक लाभ हानि से जुड़े निर्णयों को बदलना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए जोखिम से कम नहीं होता। इस तरह के निर्णय करने में सरकारों को काफी संकोच करना पड़ता है क्योंकि किसी भी निर्णय को बदलते समय राजनीतिक गुणाभाग देखा जाता है और यही कारण है कि कई निर्णय ऐसे होते हैं जिनके लाख चाहने और प्रशासनिक दृष्टि से सही नहीं होने पर भी सरकारें ढ़ोये जाती है। इस मायने में राजस्थान की सरकार की सराहना करनी पड़ेगी कि राजनीतिक दृष्टि से निर्णय लेना मुश्किल व जोखिम भरा होने के बावजूद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के समय के जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण कर 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। अब प्रदेश में 41 जिले और 7 संभाग रह गए हैं। दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीम का थाना, अनूपगढ़, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण और सांचौर जिला और बांसवाड़ा, सीकर और पाली संभाग को समाप्त करने का निर्णय ले लिया। निश्चित रुप से शुरुआत में इसका विरोध होगा, राजनीति से जुड़े लोगों द्वारा हवा भी दी जाएगी पर जब कोई दूरगामी जनहित का निर्णय लिया जाता है तो देर सबेर जनता उसे स्वीकार्य भी कर लेती है। राज्य सरकार द्वारा यही निर्णय नई सरकार बनते ही लिया जाता तो उसके मायने कुछ अलग होते और उस पर राजनीतिक द्वेषता का ठप्पा लगता वह अलग होता। आज भले ही विपक्ष द्वारा इस निर्णय पर प्रश्न उठाये जा रहे हो पर सही मायने में देखा जाए तो यह पूरी तरह से प्रशासनिक निर्णय है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के नए जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण करने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डा. ललित पंवार की अध्यक्षता में समिति गठित कर परीक्षण करवाया और फिर राजनीतिक स्तर पर मंत्रीमण्डलीय समिति बनाकर सभी पक्षों का अध्ययन कर रिपोर्ट आने पर मंत्रीमण्डल की बैठक में मोहर लगाई गई। इसलिए एक बात तो साफ हो जानी चाहिए कि यह निर्णय किसी भी मायने में जल्दबाजी या राजनीतिक लाभ के लिए ना होकर पूरी तरह से प्रशासनिक दक्षता के लिए लिया गया निर्णय है। ना ही इसे जल्दबाजी में लिया निर्णय कहा जा सकता है। हालांकि पूर्व सरकार ने नए जिले बनाने के लिए भले ही प्रशासनिक कमेटी बनाकर रिपोर्ट प्राप्त कर नए जिले बनाने का निर्णय किया पर यह सब अच्छी तरह से साफ हो जाना चाहिए कि चुनाव नजदीक होने के कारण पूर्व सरकार द्वारा नए जिले बनाने के निर्णय को आमलोगों ने पूरी तरह से राजनीतिक निर्णय के रुप में ही देखा गया। भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार द्वारा गठित नए जिलों के गठन का प्रशासनिक दृष्टि से परीक्षण करवाया और इसमें कोई दो राय नहीं कि शुरुआत में इन जिलों और संभागों को समाप्त करने के निर्णय का विरोध हो पर यह विरोध इसलिए अधिक असर नहीं दिखा पाएगा कि आमनागरिक यह अच्छी तरह से समझता है कि अधिक और छोटे जिले बनने से सरकारी खर्चें अधिक बढ़ने के अलावा कोई खास प्राप्त होने वाला नहीं है। नए जिलों के लिए शुरुआती दौर में ही एक जिले के लिए कम से कम एक हजार करोड़ की व्यवस्था करनी होगी। जिला कलक्टर और जिला पुलिस एसपी के दफ्तर तो तत्काल शुरु करने के साथ ही अन्य विभागों के भी दफ्तर जिला स्तर पर खोलने से ही वास्तविक लाभ प्राप्त हो सकता है। अब इसे यों देखा जाए कि इस सबके लिए कितना बड़ा प्रशासनिक अमला तैयार करना होगा, कितनी अधिक आधारभूत सुविधाएं विकसित करनी होगी। सरकारी ऑफिस, सरकारी बंगले और ना जाने कितने ही कार्यों के लिए स्थान और आधारभूत संरचना विकसित करने के साथ ही अधिकारियों-कर्मचारियों की नियुक्ति करनी होगी। इसके साथ ही अन्य सुविधाएं और अन्य सेवाएं अलग होगी। हमारे सामने पुराने उदाहरण है जब राजसमंद, प्रतापगढ़, दौसा जिले बनाए गए और करौली व प्रतापगढ़ जिले का गठन किया गया। अब सबके सामने है कि इन जिलों को सही मायने में जिलो का आकार लेने में कितना समय लगा। आज भी कई स्थानों पर फिजिबल नहीं होने के कारण जिला सहकारी बैंक नहीं खुल पाएं है तो कई अन्य सरकारी दफ्तर शुरु नहीं हो पाये हैं। दरअसल जन हितकारी सरकार की पहचान लोकहित में दूरगामी परिणामों को देखते हुए निर्णय लेना होता है। हांलाकि लोकतंत्र में बहुत से निर्णय राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण न चाहते हुए भी लेने होते हैं तो कई बार ऐसा भी लगता है कि ऐन केन प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए इस तरह के निर्णय ले लिए जाते हैं। प्रशासनिक दक्षता और लोकहितकारी सरकार की पहचान जनहित में कड़वे निर्णय लेने में भी संकोच नहीं करना होता है। सरकार की संवेदनशीलता और प्रशासनिक दक्षता का भी इसी से पता चलता है। खासतौर से राजनीतिक लाभ हानि से लिए गए निर्णय से अधिक भला नहीं हो पाता है। सरकार की प्रशासनिक और लोकहितकारी होने का इसी से पता चलता है कि वह जनहित में जोखिम भरे निर्णय लेने में भी कोई संकोच ना करें। लोकतंत्र में जनता और जनता का हित बड़ी बात होनी चाहिए क्योंकि सरकार द्वारा निर्णयों का असर दूर तक जाता है। कड़वे निर्णय यदि लोकहित में होते हैं तो जनता ऐसे निर्णयों को हाथोंहाथ लेती है। इसलिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सरकार बनने के पहले साल में ही बड़े निर्णय कर सबको चौंका दिया है। राजनीतिक लाभ हानि से परे हटकर मुख्यमंत्री ने 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय व्यापक जनहित में ही देखा जाना चाहिए। आर्थिक विश्लेषकों को मानना है कि सरकार को अपने प्रशासनिक खर्चों को एक सीमा तक रखना चाहिए। हांलाकि सब कुछ जानते हुए भी होता इसके विपरीत ही है। सरकार राजस्व का अधिकांश खर्चा अपने प्रशासनिक दायित्वों वेतन-सुविधाओं में ही खर्च कर देती है वहीं नए जिले और संभाग बनने से प्रशासनिक खर्च बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी बात यह है कि नए जिले या संभाग बनाने के स्थान पर सरकारों को प्रशासनिक सेवाओं में सुधार और डिलीवरी सिस्टम को मजबूत बनाने पर जोर देना चाहिए। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजनीतिक जोखिम लेते हुए प्रशासनिक दृष्टि से सराहनीय निर्णय किया है।

खत्म हो रही अलाव की दुनिया...

घनश्याम कुमार देवांश

अलाव क्या खत्म हुए, गांव, कस्बों और शहरों से पूरी की पूरी एक दुनिया ही खत्म हो गई लगती है। लगभग चार महीनों की सर्दी का मौसम इंसान अलाव पर आग की ओर हाथ फैलाए किस्से-कहानियां सुनते-सुनाते काट लेता था। चाहे कितनी ही गरीबी क्यों न हो, लोगों को दिन में अपने हिस्से का सूरज और रात को अपने हिस्से की आग मिल ही जाती थी। इतनी लकड़ियां भी कहीं न कहीं मिल ही जाती थीं। गांवों में बच्चों की पलटन को चरागाह से सूखी लकड़ियां और कंडे बीनने का काम मिल जाता था। और मजेदार बात ये थी कि ये कम भी नहीं पड़ते थे, गोया प्रकृति सबका हिस्सा अलगाकर बचाकर रख लिया करती थी। और शाम को जब अलाव जलता तो सबके चेहरे अलग ही तरह से खिल उठते। धीरे-धीरे घर-चौपाल पर पड़े सब पीढ़े, टाट-बोरियां, कुर्सियां, मूढ़े इकट्ठे हो जाते थे। बच्चों में इस बीच थोड़ी धींगा-मुश्ती भी चलती, ताकि उन्हें बैठने की सबसे अच्छी जगह मिल सके। अंधेरा घिरता तो हमारे समाज के बुजुर्ग भी आग के किनारे सिमट आते। आग और बुजुर्ग, दोनों जैसे एक दूसरे को शोभायमान करते। बच्चे इधर से उधर और उधर से इधर होते रहते। जहां पहले मन रम जाता, वहां टिक जाते। घंटे दो घंटे में हम बच्चों की आंखों में नींद उतर आती। आग में आलू और शकरकंदियां दबाई जातीं, जो सुबह अग्नि देवता के प्रसाद की तरह हम बच्चों को मिल जाती थीं। अलबत्ता कुछ प्रसादी रात को ही निपटाई जा चुकी होती, लेकिन हम एक उत्साहपूर्ण कौतुक से सुबह-सुबह उस गुनगुनी राख को कुरेदना नहीं भूलते। उन आलुओं और शकरकंदियों के स्वाद की तुलना और किस चीज से की जा सकती है, यह मैं आज तक नहीं जान पाया हूं। कभी-कभी मटर की फलियां भी आग में दबाई जाती थीं। उनकी मिठास के भी क्या कहने! किस्से सुनना और सुनाना तो आग के किनारे ही बैठकर सीखा। आग के किनारे बैठकर किस्से सुनते-सुनते किस्सागो बन जाने के भी उदाहरण मिल जाएंगे। इस दौरान भोर होने से लेकर दिन निकलने के बीच कितनी देर तक और फिर शाम ढलते ही रात के सोने तक कब और कितना सुना और सुनाया जाता था, किसी को अंदाजा भी नहीं लग पाता था। आज भी जब इतिहास और सभ्यता के पन्नों को पलटा जाए तो सर्दियों में आग का अहसास पूरी मनुष्यता में ऐसा फैला नजर आता है कि जिसके कभी न होने की कल्पना भी मुश्किल है। आग और नदियां ऐसी चीजें हैं, जिनका किनारा इंसान अभी तक खोजता आया है। जहां-जहां ये किनारे मिले, वहां-वहां मनुष्य का जीवन पनप गया। जब आग से उसकी दोस्ती हो गई, तब उसे कोई किल्लत नहीं रही। संसार का कौन-सा किनारा ऐसा है, जहां वह नहीं बसा? हिमालय की चोटियों से लेकर विशाल मैदानों तक। आज इंसान और आग के रिश्ते के बारे में सोचने को अतीतजीवी हो जाने के तौर पर देखा जाता है। शायद यह जैसा है, उसे स्वीकार करके आगे बढ़ने का इशारा है, लेकिन मनुष्यता की आत्मा का एक हिस्सा उसकी अतीत की स्मृतियों में दबा होता है। जिसने अपने अतीत की स्मृतियों को घूरे पर डाल दिया, उसने अपने भीतर की मनुष्यता में एक गहरा घाव लगा दिया। इसलिए हमें ऐसा करने से बचना चाहिए। बहरहाल, आग और किस्सों के रिश्ते पर फिर से लौटें तो न केवल भारत में, बल्कि दुनिया के दूसरे कई मुल्कों में भी हमें इसके जीवंत प्रमाण आज भी देखने को मिल जाएंगे। इंटरनेट पर जाकर खोजा जाएगा, तो ऐसी न जाने कितनी तस्वीरें सरलता से मिल जाएंगी। सर्दी हो और आग हो तो अपने आप उसके किनारे देर तक बैठे रह सकते हैं। यह देर तक बैठना दिमाग की रचनात्मकता को वैसे ही कुरेदता है जैसे गीली मिट्टी किसी बीज के भीतर सोए पौधे को कुरेदती है। संसार की न जाने कितनी कथाओं का जन्म इसी आग के किनारे हुआ होगा। हमने आग को सिर्फ भोजन और सुरक्षा से जोड़कर देखा, लेकिन उसकी आंच में पकने वाली मनुष्यता और कहानियों को भूल गए। आज हमें इस रिश्ते को फिर से जगाने की जरूरत है। हमें उन जगहों को फिर से निर्मित करना होगा, जहां इंटरनेट और आधुनिक तकनीकी की दुनिया से दूर हम शांत मन से एक दूसरे की आंखों और आत्मा में झांक सकें और उन कहानियों को सुन सकें जो मन के भीतर दबी विलुप्त हुई जा रही हैं। हमें किस्सों की उस संस्कृति को बिना नष्ट किए बचाना होगा और उसे आने वाली पीढ़ी को हस्तांतरित करना होगा। उपयोगितावादी शायद इसकी उपयोगिता पर सवाल खड़ा करेंगे, लेकिन इसे टाला नहीं जा सकता, क्योंकि जब कभी उन्हें मनुष्यता की विरासत में उतरकर अपने मूल्यों को खोजने की जरूरत पड़ेगी तो इसके लिए उन्हें न केवल आग, बल्कि इन किस्सों की भी जरूरत पड़ेगी।

जिसके 'मौन' ने मचाया 'शोर'.... वो चला गया

डॉ. सिंह को अर्थव्यवस्था का सूत्रधार कहा गया। आर्थिक उदारीकरण और आर्थिक सर्वेक्षणों में सुधार के लिए उनकी एकाग्रता के सभी काबिल रहे। यूपीए सरकार के दूसरे टर्म में जब प्रधानमंत्री बनाने की बात हुई, तो प्रणव मुखर्जी का नाम सबसे तेज दौड़ा। बानवे वर्ष में डॉ मनमोहन सिंह ने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनका संपुर्ण मौन व्यक्तित्व ऐसा रहा जिससे देश भी कई मर्तबा अधीर होकर उठ खड़ा हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह को न सिर्फ भारत ने, बल्कि विश्व बिरादरी ने अपना सगा अर्थ-व्यवस्था का विलक्षण कोहिनूर समान वास्तुकार खो दिया। पूरे संसार की आंखे उनके निधन से नम हैं। दो दफे प्रधानमंत्री के रूप में डॉक्टर साहब ने 5 ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए जिन्हें मौजूदा क्या, आने वाली पीढ़ियां भी स्मरण करती रहेंगी। 2005 में 'सूचना का अधिकार' और इसी साल 'मनरेगा कानून' को लागू करना। फिर सन-2009 में 'शिक्षा का अधिकार कानून'। वहीं, 2013 में दो बड़े फैसले 'राष्ट्रय खाद्य सुरक्षा कानून' और 'भूमि अधिग्रहण कानून' पर अंतिम निर्णय लेने को प्रत्येक भारतवासी सदैव याद करेंगे। डॉ. सिंह को अर्थव्यवस्था का सूत्रधार कहा गया। आर्थिक उदारीकरण और आर्थिक सर्वेक्षणों में सुधार के लिए उनकी एकाग्रता के सभी काबिल रहे। यूपीए सरकार के दूसरे टर्म में जब प्रधानमंत्री बनाने की बात हुई, तो प्रणव मुखर्जी का नाम सबसे तेज दौड़ा। पर, प्रणव मुखर्जी ने खुद आगे बढ़कर सोनिया गांधी और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से गुहार लगाई कि देश की अर्थव्यवस्था के लिहाज से आगे बढ़ रही है, उसे डॉ. मनमोहन सिंह से बेहतर दूसरा कोई गति नहीं दे सकता। इसलिए वो गति निरंतर रहे, दोबारा से डॉक्टर साहब को ही कमान सौंपी जाए। उनके कहने के बाद ही यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने दोबारा डॉ. सिंह के नाम पर मुहर लगवाई। सन-1991 में वित्तमंत्री रहते उन्होंने जब देश की गड़बड़ अर्थव्यवस्था को संभाला था। तब स्वंय अटल बिहारी बाजपेई ने उनकी तारीफ की थी। अपने वित्तमंत्री कार्यकाल के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने भी डॉ. सिंह के फैसलों को सराहा था। दरअसल वो ऐसा दौर था जब दशकों से बंद पड़ी भारतीय अर्थव्यवस्था के दरवाजों को खोलने की शुरूआत मनमोहन सिंह द्वारा की गई थी। वित्तमंत्री रहते लाइसेंस राज को खत्म करने का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। उन्होंने सबसे पहले विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने का काम किया और भारत के भीतर विदेशी कारोबार को अपने अर्थ स्टाइल से आकर्षित करवाया। तभी से भारत में बाहरी कंपनियों के आगमन की शुरुआत हुई। ये काम उन्होंने बिना ढोल बजाए किया। न प्रचार किया और शोर-शराबा। जबकि, उनके चुप रहने और शांत भाव की 'मौनता' पर विभिन्न सियासी दलों ने हमेशा असहनीय और अखरने वाली तल्ख टिप्पणियां की। पर, उन्होंने कभी किसी को पलट कर कोई कड़वा जवाब नहीं दिया। उन्होंने व्यक्तिगत रिश्तों के मापदंणों को सियासत से सदैव उपर रखा। हालांकि, बीते एकाध दशक से उन पर ज्यादा ही कटाक्ष होने लगे, तो उनके भीतर का शांत शायर जाग उठा। तब, उन्होंने अपने सियासी विरोधियों को अपने दो शेर के जरिए जवाब दिया। उन शेर को लोग आज उनके न रहने पर खूब गुनगुना और याद कर रहे हैं। उनका पहला शेर था 'माना तेरे दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक देख, मेरा इंतजार देख'। और दूसरा शेर 'हजारों जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी, न जाने कितने सवालों की आबरू रखी', था। ये दोनों शेर हमेशा चर्चाओं में रहे। गौरतलब है कि अर्थव्यवस्था के अलावा डॉक्टर मनमोहन सिंह को उच्च शिक्षा में अमूलचूक परिवर्तन और बड़ा सुधारक भी माना गया। इसलिए वह उच्च शिक्षा के सदैव पक्षधर रहे। प्रत्येक निर्णयों में उनका धैर्य, संयम, निस्पृहता और उदारता देखने लायक होती थी। प्रेशर में आकर या जल्दबाजी में उन्होंने कभी कोई निर्णय नहीं लिया। 2005 में मनरेगा का जब फाइनल ड्रफ तैयार होकर उनके समक्ष प्रस्तुत किया गया।

आज का राशिफल

मेष
वृषभ
मिथुन
कर्क
सिंह
कन्या
तुला
वृश्चिक
धनु
मकर
कुंभ
मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5465

8		3		1	6			
	9	1					6	
2	6	4						
			4	6			7	2
	7			3			5	
4	3			5	2			
						1	8	5
	8					7	4	
			1	7		2		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र.5464

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5465

संकेत: बाएं से दाएं
1. प्रमुख शिक्षाविद, चिंतक जिन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की (8)
6. [illegible] मध्यप्रदेश के इस अंचल में है (3)
7. पुराणानुसार यह मेनका का पति और पार्वती का पिता कहा गया है, पर्वतराज (4)
10. गोरा, उजला, श्वेत (3)
11. [illegible] चमत्कार (3)
12. पसीने की बूंद, राजस्थान का एक शहर (3)
13. पुराणानुसार कृष्ण द्वैपायन के पुत्र जो पुराणों के ज्ञाता माने जाते है (4)
15. बबूल के पेड़ को यह भी कहते है (3)
17. लिपिक, बाबू (2)
18. मुगलकाल का प्रांत प्रशासक (3)
20. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)
21. [illegible] (2)

ऊपर से नीचे
1. मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जिनके पिता मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री थे (7)
2. सुस्वादु भोजन, [illegible] की वस्तु (2)
3. [illegible] (4)
4. मध्यस्थ, बिचौलिया, ब्रोकर (3)
5. पुराणानुसार यह सुग्रीव का भाई था, [illegible] (2)
8. ईश्वर या खुदा को यह भी कहते है (उर्दू)(3)
9. [illegible] ऐनक (2)
12. [illegible] (3)
14. केकड़ा, फलित ज्योतिष की बारह राशियों में से एक (2)
16. [illegible] (उर्दू) (3)
19. [illegible] (3)

वर्ग पहेली 5464 का हल

प्रधानमंत्री के विजन के चार मिशन से मुख्यमंत्री संवारेंगे मप्र

गरीब, युवा, किसान और महिला सशक्तिकरण मिशन से बनेगा स्वर्णिम मध्यप्रदेश

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश विकास के लिए गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी (GYAN) के सशक्तिकरण को आधार बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आने वाले वर्ष-2025 में मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास को आकार देने के संकल्प के साथ चारों मुख्य स्तंभों के विकास के लिए प्रदेश सरकार ने गरीब कल्याण मिशन, युवा शक्ति मिशन, किसान कल्याण मिशन और महिला सशक्तिकरण मिशन को पूरा करने के लिए अलग-अलग ब्ल्यू-प्रिंट तैयार किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इन सशक्तिकरण मिशनों का जनवरी माह से शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री का दृढ विश्वास है कि इन चारों स्तंभों को सशक्त बनाकर मध्यप्रदेश के विकास का स्वर्णिम अध्याय लिखा जा सकेगा।युवा शक्ति मिशन युवा पीढी को उभरती प्रौद्योगिकियों, उद्यमिता और खेल के क्षेत्र में कौशल प्रदान करेगा। इससे उन्हें बदलते हुए नौकरी बाजार के लिए तैयार किया जा सकेगा, साथ ही उनमें सक्षम नेतृत्व के गुण विकसित होंगे। महिला सशक्तिकरण मिशन उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता, शैक्षिक अवसर और उद्यमिता के अवसर और प्रोत्साहन देगा। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगीं और प्रदेश में जेंडर इक्वलिटी को बढावा मिलेगा। किसान कल्याण मिशन उद्देश्य विविधीकरण के साथ ही पशुपालन एवं मछली पालन जैसे सहायक व्यवसायों को एकीकृत करने और कृषि-आधारित उद्यमिता जैसे प्रगतिशील उपायों को वित्तीय सहायता और तकनीकी परामर्श देकर प्रोत्साहित कर खेती को मुनाफे का सौदा बनाने पर फोकस्ड है। गरीब कल्याण मिशन में सरकार आर्थिक रूप से पिछडे समुदायों को वित्तीय सहायता, भूमि संबंधी अधिकार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर गरीबी के कुचक्र को तोडने में मदद करेगी।

युवा शक्ति मिशन-मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि युवा शक्ति मिशन युवाओं के सशक्तिकरण की मजबूत बुनियाद सिद्ध होगा। मिशन से युवा में शिक्षा, कौशल विकास और सामुदायिक सेवा की भावनाएं विकसित होंगी। साथ ही वह आधुनिक तकनीक के कुशल प्रयोग में सक्षम बनेगा। परिणामस्वरूप युवाओं में सफल एवं सक्षम नेतृत्व के गुण भी विकसित होंगे। युवा शक्ति मिशन के सफल क्रियान्वयन में आधुनिक तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कौशल विकास के पाठ्यक्रम युवाओं को सहजता से उपलब्ध हो सकें और वह उन्हें आसानी से समझ सकें, इसके लिए सरकार ने ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किए हैं। इसका लाभ यह भी है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के युवाओं को इसकी सुविधाएं समान रूप से सुलभ होंगी। मिशन की सफलता के लिए सरकार ने सोशल-मीडिया के माध्यमों का भी प्रभावी उपयोग करने की रणनीत बनाई गई है, जिससे युवाओं को मिशन से संबंधित जानकारी आसानी से उपलब्ध कराई जा सके। इससे युवाओं में मिशन के प्रति जागरूकता बढेगी।

महिला सशक्तिकरण मिशन- महिला सशक्तिकरण मिशन राज्य में महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिए डिज़ाइन किया गया है। मिशन का मकसद महिलाओं को पुरुषों के ही समान अवसर उपलब्ध करा प्रदेश जेंडर इक्वलिटी लाना है ताकि प्रदेश में समावेशी समाज की स्थापना हो सके। मिशन के अंतर्गत उनमें शिक्षा और कौशल विकास के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इससे उनकी रोजगार प्राप्त कर पाने की क्षमता और संभावनाएं बढेंगीं और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त होगी। मिशन महिला उद्यमिता को भी बढावा देगा, उन्हें अपने व्यवसाय शुरू करने और उसके सुचारु संचालन के संसाधन, मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। महिलाओं के सामाजिक सशक्तिकरण के लिए घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीडन जैसी लैंगिक मुद्दों से निपटने के कार्यक्रम भी शामिल होंगे।यह मिशन महिलाओं में उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढाएगा और एक सहायक वातावरण तैयार करेगा। साथ ही महिलाओं के लिए कानूनी सहायता, काउंसलिंग और चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप सेंटर्स स्थापित किए जाएंगे। महिला सशक्तिकरण मिशन यह सुनिश्चित करेगा महिलाओं में नेतृत्व कौशल विकसित हो जिससे वे स्थानीय स्तर पर कुशल नेतृत्व करते हुए मध्यप्रदेश के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

किसान कल्याण मिशन-किसान कल्याण मिशन का उद्देश्य कृषि को उन्नत कर खेती को मुनाफे का सौदा बनाना है, जिससे किसानों का जीवन स्तर सुधरे और वे मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। खेती और किसान अर्थव्यवस्था की मजबूती के महत्वपूर्ण अंग हैं, इसलिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में यह मिशन सुनिश्चित करेगा कि किसान समृद्ध हों और कृषि क्षेत्र में आर्थिक स्थिरता आए। मिशन का मुख्य उद्देश्य खेती को लाभप्रद बनाना है। इसके लिए मिशन के अंतर्गत कृषि विविधीकरण, जैविक खेती, खेती में पशुपालन, मछली-पालन जैसे व्यवसायों का एकीकरण और उन्हें बाजारोन्मुखी बनाकर उपज की बाजारों में पहुंच सुनिश्चित करने के साथ किसानों में कृषि-उद्यमिता को बढावा दिये जाने पर जोर दिया जाएगा। मिशन, किसानों को सीधे बाजारों से जोडने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों और स्थानीय मेलों का भी आयोजन करेगा, जिससे वे अपनी उपज के लिए उचित मूल्य प्राप्त कर सकेंगे। किसानों का वित्तीय बोझ को कम करने के लिए मिशन के तहत उन्हें बीज, उर्वरक और उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय सहायता और सब्सिडी दी जाएगी, जिससे उनके खर्चे कम होंगे और आय में वृद्धि होगी। मिशन, किसान उत्पादक संगठनों (ऋझजी) की स्थापना को बढावा देकर किसानों में सहकारिता को प्रोत्साहित करेगा ताकि कृषि क्षेत्र संगठित स्वरूप लेकर आगे बढ सके। साथ ही मिशन में किसानों को कृषि तकनीकों और संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण भी दिलाया जायेगा।

गरीब कल्याण मिशन-गरीब कल्याण मिशन, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शुरू की जाने वाली एक अभिनव पहल है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से पिछडे समुदायों को सशक्त बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि आवश्यक सेवाएं उन तक पहुंच सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में यह मिशन समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों कों सशक्त बनाने की महत्वपूर्णं रणनीति का हिस्सा है।

मिशन का मुख्य उद्देश्य गरीबों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों को मजबूत करना है, ताकि वंचित वर्ग को कठिन समय में आवश्यक सहायता प्राप्त हो सके। इसके अतिरिक्त, मिशन इस वर्ग को रोजगार से संबंधित चुनौतियों से निपटने में सक्षम योजनाओं का लाभ दिलाएगा। आर्थिक रूप से पिछडे, जरूरतमंदों को मिशन में वित्तीय सहायता प्रदान कर आर्थिक सशक्तिकरण में मदद करेगा। बुनियादी सेवाओं जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा और आवास तक पहुंच में सुधार किया जाएगा, जिससे गरीब परिवारों के जीवन स्तर में सुधार हो सकेंगरीब कल्याण मिशन का उद्देश्य वंचित वर्ग को आर्थिक रूप से समुन्नत बना कर मध्यप्रदेश में आर्थिक विषमता दूर करना है, जिससे गरीब वर्ग भी प्रदेश के विकास में समान रूप से योगदान दे सकें।

नरसिंहपुरा में आयोजित सात दिवसीय श्री हनुमंत कथा में...

हनुमान जन्मोत्सव मनाया, पं. व्यास ने राम जन्म की कथा श्रवण कराई

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। 29 दिसम्बर से 4 जनवरी तक नरसिंहपुरा स्थित कुमावत धर्मशाला में श्री हनुमंत कथा का आयोजन हो रहा है। सात दिवसीय इस संगीतमय कथा को श्रवण करने मंदसौर नगर के सभी क्षेत्रों के धर्मालुजन पहुंच रहे है। कल 1 जनवरी बुधवार को प.पू. हनुमान भक्त पं. श्री दिलीप व्यास ने व्यासपीठ पर विराजित होकर भगवान श्री हनुमानजी के जन्म का वृतांत श्रवण कराया। कथा पांडाल में जैसे ही बाल स्वरूप में हनुमानजी को लाया गया कथा पाण्डाल में हनुमानजी के जयकारे गूंज उठे। नन्हें बालक को हनुमानजी वेशभूषा में देख धर्मालुजनों ने खूब जयकारे लगाये। पं. दिलीपजी व्यास ने हनुमंत कथा के चतुर्थ दिवस बुधवार को माता अंजना एवं वानर राज केसरी के यहां जन्मे भगवान हनुमानजी की कथा सुनाई तो कथा पंडाल में जन्मोत्सव की खुशियां मनाई जाने लगी।

पं. दिलीपजी व्यास ने श्री हनुमानजी के जन्म के पूर्व हनुमानजी व शिवजी के संबंध का वृतांत भी बताया और कहा कि हनुमानजी शिव का साक्षात स्वरूप है। वे शिव के 11वें रूद्र अवतार है। वानर के रूप में जन्मे हनुमानजी का पूरा जीवन प्रेरणादायी है। ईश्वर के प्रति भक्ति व समर्पण कैसा हो यह देखना हो तो हनुमानजी से सिखो। आपने कहा कि हनुमानजी का जन्म ही राम काज को संवारने के लिये हुआ। भगवान राम व हनुमान का सम्बन्ध हमें प्रेरणा देता है कि हम भक्ति में समर्पण रखे।

राम जन्म की कथा सुनाई- श्री हनुमंत कथा के तृतीय दिवस पं. दिलीप जी व्यास ने भगवान राम के जन्म की कथा भी श्रवण कराई। आपने कथा श्रवण कराते हुए राज जन्म के कारणों पर प्रकाश डाला और कहा कि भगवान राम के जन्म के पूर्व भारत भूमि पर आर्य संस्कृति व द्रविड संस्कृति में संघर्ष छिडा हुआ था। असुर अर्थात राक्षस प्रवृत्ति के लोगों ने विद्वानों, ब्राह्मणों स्त्रियों को जीव दुर्भर कर रखा था। राक्षस प्रवृत्ति के लोग ब्राह्मणों के यहां हवन में विघ्न डालते थे तथा उन्हें तरह तरह से सताने का प्रयास करते थे। लंका पर रावण के आधिपत्य के बाद असुरों ने भाग के दक्षिणी भाग पर भारी उत्पात मचा रखा था। रावण देवताओं से कई वरदान प्राप्त करके अपने आप को शक्ति सम्पन्न घोषित कर लंका का नरेश घोषित कर चुका है। रावण ने अपने भाई कुबेर के राज्य लंका पर अवैध कब्जा कर उसे राक्षसों की शरण स्थली बना दिया था ऐसे निकट समय में प्रभु राम का राजा दशरथ के यहां जन्म हुआ।

इन्होंने किया पोथी पूजन- हनुमान कथा के चतुर्थ दिवस विधायक श्री विपिन जैन व जिला धार्मिक उत्सव समिति के सदस्यों ने पौथी का पूजन किया। समिति के अध्यक्ष वरदीचंद कुमावत ने समिति के सदस्यों के साथ पोथी पूजन के समय पं. दिलीपजी व्यास का आशीर्वाद भी लिया। उनके साथ पत्रकार शंभूसेन राठौर, सत्यनारायण मण्डलिया, माणकलाल अडानिया, राजूभाई नागदा ने भी पौथी पूजन किया। कथा के तृतीय दिवस मंगलवार को पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह माच्छेपुरिया, कन्हैयालाल सोनगरा, शेलेन्द्र माथुर मनोज भावसर गोविन्द स्वीटस, पूर्व नपा सभापति हिम्मत डागी, मेनपुरिया सरपंच ओंकारलाल माली, मेनपुरिया के राजेश चौहान, बंशीलाल जाटव, मोहनलाल माली, मुकेश चौहान, समाज सेवी कैलाश पालीवाल, प्रकाश पालीवाल, श्याम पालीवाल, राजू मुंदडा ने भी आरती की।

कथा आयोजन में ये कर रहे है सक्रिय भूमिका- कथा आयोजन में अंकुश पालीवाल, नीतेश पालीवाल, दिलीप चौधरी, अभिजीत मण्डलोई, भरत ओझा, रविन्द्रसिंह जादोन, किशन पाण्डेय, धर्मेन्द्र रामावत, जितेन्द्र पाटीदार, पूजा ठाकुर, मीनाक्षी पंवार, रेखा जोशी, संतोष खिचावत, श्वेता पालीवाल, ललिता कुमावत आदि कई धर्मालुजन सक्रिय भूमिका निभा रहे है।

आर्य समाज का आवासीय क्रियात्मक योग प्रशिक्षण शिविर आज से

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज मंदसौर के प्रधान श्री मधुसूदन आर्य ने बताया कि महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में दिनांक 2 जनवरी से 5 जनवरी तक 4 दिवसीय आवासीय क्रियात्मक योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दयाल वाटिका, सैलाना रोड रतलाम पर आयोजित किया जा रहा है।

इस शिविर में अंध श्रृद्धा की ओर जाने से कैसे बचे, डिप्रेशन टेंशन से कैसे छूटे, सही गलत का निर्णय कैसे ले, यज्ञ से स्वास्थ्य लाभ व रोगों का उपचार कैसे हो इन सबके बारे में शिविराध्यक्ष आचार्य अजयजी दर्शनाचार्य भावनगर गुजरात, आचार्य अरूणकुमार आर्यवीरजी मुम्बई महाराष्ट्र, आचार्य संदीपजी दर्शनाचार्य सोनीपत हरियाणा आदि द्वारा बताया जाएगा साथ ही शिविर में आसन, प्राणायाम, ध्यान, दर्शन, सिद्धांत, सत्यार्थ प्रकाश आदि के माध्यम से मानव जीवन के महत्व को क्रियात्मक रूप में बताया जावेगां। मानव जीवन में सुख शांति एवं समृद्धि के साथ आत्मा परमात्मा और प्रकृति के गुढ रहस्यों को बताया जावेगा। आर्य समाज मंदसौर के प्रधान श्री मधुसूदन आर्य ने मंदसौर, नीमच जिले व जावरा के समस्त शिविर में भाग लेने की अपील की है।

श्री प्रेम प्रकाश आश्रम में नववर्ष का आरंभ संगत के साथ हुआ

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नए साल की शुरुआत सिन्धी हिन्दू समाज की प्रमुख धर्म पीठ श्री प्रेम प्रकाश पंथ कि मन्दसौर शाखा श्री प्रेमप्रकाश आश्रम में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष अनुसार इस भी सिंधी समाज के सैकडों स्त्री पुरुष एवं बच्चों ने नये वर्ष के प्रारंभ में भगवान श्री लक्ष्मीनारायण, भगवान श्री झूलेलाल जी, आचार्य सदगुरु टेऊँराम जी महाराज, सद्गुरु सर्वानंद जी महाराज, सतगुरु शांति प्रकाश जी महाराज, सद्गुरु हरिदास जी महाराज की आरती के साथ किया। इस आशय की जानकारी सेवा मण्डली के अध्यक्ष पुरुषोत्तम शिवानी ने देते हुए बताया कि प्रयागराज कुंभ से पंचम पिठाधिश्वर सद्गुरु स्वामी भगतप्रकाश जी महराज के मुखारविंद से इन्टरनेट के माध्यम से नववर्ष 2025 के आगमन के उपलक्ष्य पर हरिनाम संकीर्तन सत्संग के वीडियो का प्रसारण किया गया जिसमें गुरु महाराज ने कहा कि आप संगत पर ईश्वर एवं सतगुरु कि हमेशा कृपा हो, मन आपका शुभ विचारों में लगे एवं मानव मात्र के जीवन में सुख, समृद्धि, शान्ति व सदभावना से आप सफल हो। इन्हीं मंगल कामनाओं का गुरु महाराज ने पल्लव पाकर रहमत बख्शी। शिवानी ने बताया कि इस पावन अवसर पर प्रात: कालीन आरती मंडली द्वारा प्रारंभ किए गए श्री प्रेम प्रकाश ग्रंथ के पाठों का भोग से प्रेम प्रकाश ग्रन्थ के अंतिम अध्याय शांति के दोहे का शुभ उच्चारण श्रीमती पुष्पा पमनानी किया व ग्रन्थ साहिब पर रुमाल श्रीमती निर्मला शिवानी, दिव्या शिवानी एवं रेखा उतवानी ने अर्पित कर संपन्न किया। आज मौसम एकदम ठंडा था उसके बावजूद श्रद्धालु संगत ने गुरु दरबार में हाजिरी दी व श्री मंदिर में मत्था टेककर व आपस में गले मिलकर सकारात्मक वातावरण में एक दूसरे से हाथ जोडकर गले मिलकर खुशनुमा माहौल में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। आभार प्रदर्शन श्रीमती पुष्पा पमनानी ने प्रकट किया

छह वर्ष बाद 4000 वर्ग फिट के पट्टे के लिए स्थाई निषेधाज्ञ को लेकर पेश किया वाद हुआ अस्वीकार

पिपलियामंडी, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या बस्ती वार्ड 7 में वादी द्वारा 4000 फिट के पट्टे के लिए स्थाई निषेधाज्ञा को लेकर पेश किया गया वाद कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया। जानकारी के अनुसार अयोध्या बस्ती निवासी बगदीराम पिता नाथूलाल माली, गोपाल माता जानीबाई, सुरेश पिता प्रभुलाल, दिनेश पिता प्रभुलाल, महेन्द्र पिता प्रभुलाल, राहुल पिता राजू सुथार व राजू पिता शंभूलाल सुथार ने वार्ड 7 में मायाबाई पति मधुकर राव मराठा द्वारा 4000 वर्ग फिट का अवैध पट्टा बनाने की शिकायत प्रशासन को की थी। इसके विरुद्ध मायाबाई ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से नारायणगढ व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठखंड के समक्ष वाद पेश किया था। इस दौरान प्रतिवादी बगदीराम माली सहित सात अन्य की ओर से अधिवक्ता एम सय्यद मंसूरी ने पैरवी करते हुए तर्क दिया कि वादिया मायाबाई का अयोध्या बस्तीटीलाखेडा में कोई भूखण्ड स्थित नही है। वर्णित चतुरसीमा और सर्वे क्रमांक 54 में कोई भूखण्ड अयोध्या बस्ती में नही है, वादिया ने असत्य ब्लू प्रिंट पेश किया है और जब मौके पर भूखण्ड है तो वादग्रस्त भूखण्ड बताया जाना ही असत्य कथन है। पट्टे में भूखण्ड क्रमांक और सर्वे क्रमांक का भी उल्लेख नही है। नगर पंचायत किसी भी 4000 वर्ग फिट का भूखण्ड आवंटित नही करती है। मंसूरी ने बताया कि मायाबाई ने सरपंच बालूराम राठौर के फर्जी हस्ताक्षर करके फर्जी पट्टा बनाया है, जिसके संबंध में बगदीराम माली ने पुलिस थाने पर भी रिपोर्ट कर कार्यवाही की मांग की है। 06 वर्ष तक चले प्रकरण में सभी पक्षों को सुनने व अधिवक्ता द्वारा दिए गए तर्क के बाद न्यायाधीश ने निर्णय दिया कि वादी पक्ष मायाबाई अपना वाद संभावनाओं की बहुलता के आधार पर प्रमाणित करने में असफल रहा है। परिणामत: वादी पक्ष द्वारा प्रस्तुत दावा अस्वीकार करते हुए अनुज्ञप्ति जारी की जाती है कि वादी पक्ष द्वारा प्रतिवादी पक्ष के विरुद्ध 80 फिट लम्बे व 50 फिट चौडे वादग्रस्त भूखण्ड को लेकर स्थाई निषेधाज्ञा का दावा अस्वीकार किया जाता है।

पाईप लाईन दुरुस्तीकरण

मंदसौर नगरपालिका द्वारा शहर में पेयजल सप्लाई के लिए रामघाट से पूरे शहर में बरसो पहले डाली गई पाईप लाईन खानपुरा मेन रोड पर पानी का प्रेशर ज्यादा होने व भारी वाहनों के इस मार्ग से गुजरने के चलते बार बार एक ही जगह से फूट जाती है। बुधवार को भी सुबह से फूटी पाईप लाइन को नपा के जलकल अमले द्वारा सुधारने का कार्य किया जा रहा था। इस पूरी पाईप लाईन को बदलने की जरूरत है।

इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर पर सुंदरकाण्ड व भजन संध्या सम्पन्न

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नववर्ष के अवसर पर स्थानीय कालाखेत रोड नं. 3 स्थित श्री इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर पर गायक योगेश गोविन्दानी के मुखारविंद से भव्य संगीतमय सुंदर काण्ड व भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी भक्तजनों ने सुंदरकाण्ड व भजनों का लाभ लिया एवं सभी के द्वारा महाआरती की। इस अवसर पर श्यामलाल बैरागी, अजय बैरागी, ईश्वर खारवा, संजय वर्मा, मोहनलाल माहेश्वरी, चन्द्रप्रकाश सोनी, कृष्णा सोनी, शंकर इंदौरा, अनिल बैरागी, सोभागमल जैन, रमेश गोटवार, मनीष गर्ग, योगेश लोहार, दशरथ लोहार, ओम तानान, मनीष बैरागी, अशोक सोलंकी, राधेश्याम लखारा, सत्य नारायण कुमावत, दशरथ बैरागी, किशोर माली, कुलदीप खेत्रा, मयंक सोनी, गोपाल ग्वाला आदि भक्तों ने उपस्थित रहकर धर्मलाभ लिया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	48	2317	2411
उडद	322	5552	6281
सोयाबीन	2283	3900	4372
गैहु	1137	2957	3249
चना	74	5366	6240
मसुर	60	5600	6081
धनिया	88	6300	7390
लहसुन	10000	10000	25000
मैथी	214	4551	5958
मुंगफली	2031	4450	5331
अलसी	46	5701	6128
सरसो	93	5481	5797
तारामीरा	000	000	0000
इसबगोल	35	9221	12400
प्याज	12000	750	2330
कलोंजी	10	16300	18399
तुलसी बीज	3	15252	15990
डॉलर	9	5797	10111
तिल्ली	16	9500	12270
किनोबा	70	3369	3490
मटरसुखी	000	000	0000
असालीया	6	12952	14303
चियाबीज	33	13051	16131

रासेयो स्वयंसेविका जयाप्रकाशिका नागवर राष्ट्रीय एकता शिविर जम्मू में करेगी मप्र का प्रतिनिधित्व

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. वर्मा ने बताया कि महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की स्वयंसेविका जयाप्रकाशिका नागवर (तृतीय वर्ष) की छात्रा का चयन राष्ट्रीय एकता शिविर, जम्मू में सहभागिता हेतु हुआ है। वे 3 जनवरी से 9 जनवरी 2025 तक राष्ट्रीय एकता शिविर जम्मू में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर सहभागिता करेगी।

कार्यक्रम अधिकारी रासेयो डॉ. अनिल कुमार आर्य ने बताया कि जयाप्रकाशिका शिविर के दौरान देश के विभिन्न प्रांतों से आए स्वयंसेवकों की संस्कृति, भाषा एवं खानपान से परिचय प्राप्त करेगी और शिविर में आयोजित गतिविधियों में भाग लेकर नेतृत्व, राष्ट्र व समाज सेवा, चारित्रिक विकास व व्यक्तित्व निर्माण के विभिन्न पहुलवों को सीखेगी। स्वयंसेविका जयप्रकाशिका का राष्ट्रीय एकता शिविर, जम्मू में चयन होने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. . वर्मा, जिला संगठक रासेयो डॉ. सूर्यवंशी, कार्यक्रम अधिकारी रासेयो डॉ.अनिल कुमार आर्य समेत महाविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं एन.एस ई इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

कलेक्टर ने किया रामपुरा में दिव्यांग शिविर का निरीक्षण

रामपुरा शिविर में 200 से अधिक दिव्यांग लाभांवित

नीमच, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जनकल्याण अभियान के तहत सिविल अस्पताल रामपुरा में दिव्यां गजनों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने के लिए बुधवार को शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में दिव्यांग प्रमाण पत्र, बस यात्रा प्रमाण पत्र के लिए कुल 242 दिव्यांगों का पंजीयन किया गया। शिविर में 144 पात्र दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए गए। एवं 44 दिव्यां गों के नि:शुल्क बस यात्रा पास बनाकर प्रदान किए गए।

शिविर में नाक, कान, गला से संबंधित 33 दिव्यांगों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शिविर का निरीक्षण कर, जायजा लिया और दिव्यांगजनों को बस यात्रा पास एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कलेक्टर ने दिव्यांग शिविर में विभिन्न स्टॉलों पर जाकर, चिकित्सकों से चर्चा की और दिव्यांवगजनों के स्वास्थ्य परीक्षण की जानकारी ली। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, एसडीएम श्री पवन बारिया, तहसीलदार रामपुरा श्री मुकेश निगम एवं मेडिकल बोर्ड के चिकित्सगण एवं बडी संख्या में दिव्यांगजन तथा उनके परिजन उपस्थित थे।

आर्ट ऑफ लिविंग परिवार द्वारा डीएसएन प्रोग्राम सम्पन्न

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। द आर्ट ऑफ लिविंग परिवार द्वारा मंदसौर में DSN प्रोग्राम का आयोजन हुआ इसमें मंदसौर ही नहीं अभी तू कोटा एवं आसपास के क्षेत्र से भी आए व्यक्तियों ने पार्टिसिपेट किया उच्छ मतलब दिव्य समाज का निर्माण इसमें व्यक्ति की अपनी कुशल क्षमता के बारे में सिखाया जाता है एवं व्यक्ति को पूरे जीवन काल में किसी भी परिस्थिति में हो किसी भी कठिनाइयों में हो उसमें कैसे उभरते हैं यह सब कुछ इस उच्छ कोर्स का हिस्सा रहता है यह कोर्स बेंगलुरु से आए हुए टीचर त्रिलोक नाथ जी त्रिपाठी ने तीन दिन मंदसौर में रहकर किया इस कोर्स में महत्वपूर्ण भूमिका मंदसौर के द आर्ट ऑफ लिविंग के टीचर

कमलेश कोठारी ने निभाई एवं आर्ट ऑफ लिविंग के वालंटियर डॉक्टर रमेश कनेसरिया यतींद्र जोशी किरण गरुड सुरेश भाटी एवं अंकित सोनी वॉलंटर के रूप में मौजूद रहे यह सूचना आर्ट ऑफ लिविंग के अंकित सोनी ने दी।

श्रीमद् भागवत श्री कृष्ण का वांग्मय स्वरूप है-उपाध्याय

श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा का शंखनाद बघाना में कलश यात्रा से हुआ

नीमच, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा में जीवन जीने की कला सीखने के संस्कार मिलते हैं।भागवत ज्ञान वैराग्य के कष्टमें जीवन को मार्गदर्शन करने वाला ग्रंथ है। भागवत जीवन का दर्शन कराने वाला दर्पण है। पाप कर्मों की निवृत्ति भी भागवत कथा के श्रवण करने से होती है। जिस स्थान पर कथा होती है वह स्थान तीर्थ हो जाता है। बात यह बात राष्ट्रीय अटल गौरव पुरस्कार से सम्मानित भागवत आचार्य पंडित गोविंद उपाध्याय नृसिंह मंदिर मनासा वालों ने कहीं। वे

अग्रवाल समाज बघाना एवं राधिका मंडल के संयुक्त तत्वाधान में बघाना स्थित फतेह चौक गोपाल मंदिर के प्रांगण में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा के प्रथम दिवस बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भागवत कथा में प्रह्लाद आदि पार्षद गण की कथा श्रवण करने उपस्थित होते हैं। कथा से सांसारिक मोह का भ्रम दूर होता है। ब्रह्म हत्यारा, विश्वासघाती, सोने की चोरी करने वाला, शराबी और परस्त्री का गमण करने वाला व्यक्ति आदि पांच प्रकार के महापाप होते हैं।भागवत कथा श्रवण करें तो पापों से मुक्ति हो जाती है। गोपाल मंदिर में अर्चा विग्रह के रूप में भगवान विराजित है। भागवत भी भगवान के रूप में चर्चा विग्रह के रूप में विराजित हुई है। दोनों ही एक ही है। एक काआंखों से दर्शन किया जाता है। दूसरे का कानों से श्रवण किया जाता है। दोनों ही मार्गो से शरीर में प्रवेश होता है और जीवन में आनंद की अनुभूति है।

श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा- 1 से 7 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक फतह चौक बघाना स्थित गोपाल मंदिर के प्रांगण में पंडित गोविंद उपाध्याय जी के श्री मुख से प्रवाहित होगी। भागवत कथा का शंखनाथ 1 जनवरी को अग्रवाल पंचायत भवन बघाना से सुबह 9.30 बजे भागवत पोथी पूजन आरती के बाद कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा बघाना क्षेत्र के प्रमुख मार्गो से निकली। महिलाएं अमृत कलश शिरोधार्य किये सहभागी बनी। श्रद्धालु भक्त भगवत पोथी शिरोधार्य किए चल रहे थे। महिलाएं लोकगीत गाती चल रही थी।

कार्यालय उप संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश जिला कार्यालय नीमच (म.प्र.)

क्रमांक MDRLP13122412540/ दिनांक-31.12.2024

क्र.-1546 दिनांक-31.12.2024

म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 29(3) सहपठित म.प्र. भूमि विकास नियम, 2012 के नियम 14(3) के अधीन दी गई अनुज्ञा में उपांतरण की दशा में आपत्तियां आमंत्रित करने हेतु

जनसामान्य की जानकारी हेतु एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/मेसर्स (MOHAN MEGHNANI) MOHAN MEGHNANI S/o JHAMATMAL MEGHNANI द्वारा नीचे दिये गये अभिन्यास में उपांतरण हेतु आवेदन किया है-

(क) परियोजना का नाम - REVISE MEGHNANI PRIME

(ख) अवस्थिति (अवस्थिति/ग्राम का नाम एवं खसरा क्रमांक)-पूर्व स्वीकृत ग्राम Kasba mandsaur तहसील Mandsaur Nagar व जिला Mandsaur की भूमि सर्वे क्रमांक/खसरा क्रमांक 137/2, 139/8/2 कुल रकबा 0.6118 हेक्टेयर भूमि पर RESIDENTIAL, LOCAL SHOPS LAYOUT विकास हेतु अनुमोदित अभियान में संशोधित अभिन्यास का अनुमोदन चाहा गया है।

(ग) विकास का प्रयोजन - RESIDENTIAL, LOCAL SHOPS LAYOUT

(घ) स्वीकृति क्रमांक MDRLP15042417188 दिनांक 2024-05-19

पूर्व स्वीकृत अभिन्यास में यदि उपांतरण किया जाता है, तो उससे परियोजना से जुड़े व्यक्ति/संस्था के हित प्रभावित होने की संभावना है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, उपांतरणों से संबंधित अपनी आपत्ति या सुझाव, इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा https://dtcp.mp.gov.in/alpass/web/objection.aspx?RefApp=0L6frRdDxj पर प्रस्तुत कर सकेगा। पूर्व स्वीकृत अभिन्यास के ब्यौरे तथा प्रस्तावित उपांतरित अभिन्यास का निरीक्षण हितबद्ध व्यक्ति द्वारा, उपरोक्त कार्यालय में कार्यालय समय के दौरान अथवा website https://dtcp.mp.gov.in/alpass/web/uLogin.aspx पर किया जा सकता है।

उपसंचालक
नगर तथा ग्राम निवेश, नीमच (म.प्र.)

एशिया कप गोल्ड विजेता हॉकी खिलाड़ी अदिति माहेश्वरी का हुआ स्वागत

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। एशिया कप गोल्ड मेडल विजेता हॉकी मंदसौर की बालिका अदिति का प्रथम आगमन पर खेल प्रेमियों ने स्वागत किया हॉकी मंदसौर के सचिव अविनाश उपाध्याय व अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया की विगत दिनों ओमान के मस्क़त मे एशिया कप हॉकी प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमे मंदसौर हॉकी की बालिका अदिति महेश्वरी ने भारतीय जूनियर हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व कर एशिया कप विजेता बनी और गोल्ड मेडल जीता ज्ञात रहे अभी तक भारत ने कुल दो बार यह प्रतियोगिता जीती है और दोनों ही बार अदिति विजेता टीम की सदस्य रही है विजेता होने के बाद अदिति महेश्वरी के प्रथम नगर आगमन पर समस्त खेल प्रेमियों और हॉकी खिलाडियों ने जोरदार स्वागत किया। जिसमे जिला खेल युवा कल्याण अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, राजू कुमार, कोच वैभव चोरसिया, रवि कोपंगवकर, अंकित मंडोवरा, मंगल बैरागी, डॉ रजाक खान, भारतीय सेना टीम के गौरव भगतानी, राजनेता अनिल कियावत, विनय दुबेला, बाबा पंचोली, आशीष गोड एवम समस्त खेल प्रेमियों की उपस्तिथि मे संपन्न हुआ, अदिति की इस उपलब्धि पर हॉकी मंदसौर के संरक्षक यशपाल सिंह सिसोदिया, विशाल गोयल, त्रिभुवन कविश्वर, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, हॉकी मंदसौर एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया, सचिव अविनाश उपाध्याय, कोच रवि कोपरगांवकर, दिनेश यादव, शैलेंद्र मसीह, खेलो इंडिया एन, एस कोच वैभव चौरसिया, मीत चौहान, मंगल बैरागी, ओमप्रकाश गुर्जर, राजेंद्र सिंह, भरत सिंह, शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, शासकीय महाविद्यालय दलोदा के खेल अधिकारी अब्दुल रज़ाक, सीनियर खिलाड़ी संजय तोमर, मनोज जैन, अंकित मंडोर, राकेश श्रीवास्तव, भारत देवड़ा, अजय सिंह गौड़, कमलेश शर्मा, शैलेंद्र परिहार, पिंटू आर्थर, डॉ हिमांशु यजुर्वेदी दुबेला क्लब के अध्यक्ष श्री विनय दूबेला, अमर क्लब के अध्यक्ष श्री भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, आदि ने बधाई दी व उनकी उज्वल भविष्य की कामना की। उक्त जानकारी जिला हॉकी संगठन जनसंपर्क अधिकारी जितेन्द्र कनौजिया ने दी।

श्री बालाजी मंदिर कृषि उपज मंडी पर महाआरती सम्पन्न

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। वर्ष 2025 के प्रथम दिवस पर श्री बालाजी मंदिर कृषि उपज मंडी मंदसौर पर महाआरती का आयोजन हुआ। आरती में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि मंडी समिति के सचिव पर्वतसिंह सिसौदिया सम्मिलित हुए। आरती में बडी संख्या में मंडी के व्यापारी हेम्माल भाई तुलावटी भाई किसान भाई और मंडी में कार्य करने वाले कर्मचारिगण ने आरती का लाभ उठाया महा आरती ढोल ढमाकों के साथ आतिशबाजी के साथ हुई। आरती के पश्चात सभी ने एक दुसरे को वर्ष 2025 की हार्दिक बधाई दी। आरती के पश्चात प्रसाद वितरण का कार्यक्रम हुआ। महाआरती का आयोजन दशपुर मंडी हेम्माल संघ द्वारा किया गया। उक्त जानकारी मिश्रीलाल ग्वाला द्वारा दी गई।

युवा संगम का आयोजन कल

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा बताया कि युवा संगम का आयोजन3 जनवरी को प्रात: 10:30 बजे से कुशाभाऊठाकरे प्रेक्षागृह शासकीय महाविद्यालय, मंदसौर में आयोजित किया जायेगा।

नपाध्यक्ष ने ट्रेंचिंग ग्राउंड का निरीक्षण किया

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने नववर्ष के पहले दिन 1 जनवरी 2025 को नपा के सभापतिगणों एवं अधिकारीगणों के साथ नगरपालिका के ट्रेचिंग ग्राउण्ड का आकस्मिक निरीक्षण किया और यहां कचरे के निष्पादन का जो कार्य किया जा रहा है उसे देखा तथा इसके संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। मंदसौर नगर के समीप स्थित महू-नीमच हाईवे पर नपा के ट्रेचिंग ग्राउण्ड पर पिछले कई वर्षों का कचरा एकत्रित है। इस कचरे का निष्पादन शासन के मापदण्डों व नियमों के अनुसार हो यह सुनिश्चित करने के लिये नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने नपा के सभापतिगण श्रीमती दीपमाला मकवाना, निलेष जैन, सत्यनारायण भांभी, रमेश ग्वाला, श्रीमती निर्मला चंदवानी, श्रीमती कौशल्या बंधवार, श्रीमती शांति फरक्या, सीएमओ सुधीर कुमार सिंह, स्वच्छता बाण्ड एम्बेसडर रामेश्वर मकवाना, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी हेमचंद शर्मा, सीटी मिशन मैनेजर अजय शर्मा, नपा कार्यपालन यंत्री पीएस धारवे, उपयंत्रीगण विधुरानी कौशल, शाहिद मिर्जा, महेश शर्मा आदि कई कर्मचारियों के साथ ट्रेचिंग ग्राउण्ड का आकस्मिक निरीक्षण किया और कचरे के निष्पादन के संबंध में निर्देश दिये।

मुख्य नपाधिकारी श्री सुधीर कुमार सिंह ने नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर व नपा के जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया कि लगभग 20 दिवस से ट्रेचिंग ग्राउण्ड पर कचरे के निष्पादन का कार्य चल रहा है। म.प्र. शासन ने टेण्डर प्रक्रिया के द्वारा यहां के कचरे के निष्पादन का कार्य आयुषी हाइजीन दिल्ली को दिया है। टेण्डर प्रक्रिया पुरी होने के बाद लगभग

25 व्यक्तियों के द्वारा अत्याधुनिक मशीनों से कचरे के निष्पादन का कार्य किया जा रहा है। यहां कचरे का निष्पादन वेस्ट बायोरेमिडेशन नाम दिया गया है। शासन ने कचरे के निष्पादन के लिये लगाई गई। कम्पनी को तय समय सीमा लगभग 6 माह में इस कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया है। कचरे के निष्पादन में खाद, गुड सोईल (अच्छी मिट्टी) प्लास्टिक एवं पॉलीथिन को अलग अलग किया जा रहा है। लगभग 6 माह में उम्मीद है कि पुरा ट्रेचिंग ग्राउण्ड शासन के मापदण्ड के अनुसार क्लीन हो जायेगा ऐसा होने पर स्वच्छता सर्वेक्षण में नपा के रैकिंग और बेहतर होगी। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने इस मौके पर ट्रेचिंग ग्राउण्ड पर बने हर्बल गार्डन व अन्य एक उद्यान को भी देखा तथा दोनों उद्यानों को और विकसित करने के निर्देश नपा सीएमओ को दिये। प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी हेमचंद शर्मा ने अवगत कराया कि शासन ने कचरे के निष्पादन के लिये लगभग 3 करोड़ 42 लाख रू. का टेण्डर आयुषी हाईजिन दिल्ली का मंजूर किया है। इस राशि से कंपनी के द्वारा ट्रेचिंग ग्राउण्ड के पूरे कचरे का निपटान किया जायेगा तथा ट्रेचिंग ग्राउण्ड की पूरी भूमि जो कि लगभग 20 बीघा के लगभग है उस भूमि पर कचरे का निपटान पुरी तरह हो जायेगा। इससे आगामी समय में नपा को स्वच्छता सर्वेक्षण में और अच्छी रैकिंग मिलेगी तथा नगर का नाम देश व प्रदेश में गौरवान्वित होगा।

आरबीआई की गाईड लाईन लागू: बंद होंगे तीन तरह के अकाउंट

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नए साल से भारतीय रिजर्व बैंक की नई गाइडलाइन लागू हो गई है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश में सभी शासकीय बैंकों का समय एक समान होने जा रहा है। राज्य स्तरीय बैंकिंग समन्वय समिति द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अब मध्य प्रदेश में सभी सरकारी बैंको का कार्यालय समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक रहेगा। ग्राहकों के लेन-देन से जुड़े सारे काम 10 बजे से शुरु होकर शाम 04बजे तक ही होंगे। वहीं दूसरी ओर बैंकों में लंबे समय से बंद पड़े खातों को बंद करने की प्रक्रिया भी आरबीआई की गाइडलाइन के अनुसार शुरू की जा रही है।

गाइडलाइन के अनुसार सभी प्रकार के निष्क्रिय बैंक अकाउंट बंद किए जाएंगे। इनमें वे अकाउंट शामिल हैं, जिनमें दो साल से किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं हुआ है। इनएक्टिव और जीरो बैलेंस कैटेगरी के अकाउंट शामिल है। अगर आपका बैंक खाता इन 3 कैटेगिरी के अंतर्गत आता है तो आपका खाता बंद हो जाएगा। समय रहते जल्द से जल्द अपनी शाखा में संपर्क कर बैंक अकाउंट को केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण कर एक्टिव करवा लें अन्यथा आपका निष्क्रिय बैंक अकाउंट बंद हो सकता है।

इसलिए बंद हो रहे बैंक खाते...

बैंक खातें को बंद करने के पीछे का कारण साइबर ठगी है। किसी भी तरह की ठगी से बचने के लिए ये कदम उठाया जा रहा है। आरबीआई ने इन अकाउंटस का दुरुपयोग रोकने, वित्तीय जोखिम रोकने के लिए ये फैसला लिया है। ग्राहक केवाईसी करवाकर दोबारा इन अकाउंटस को एक्टिव करवा सकते हैं। अगर आपके पास भी ऐसा कोई अकाउंट है तो तुरंत अपने बैंक से संपर्क करें और केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करें। केवाईसी की प्रक्रिया कई बैंकों में ऑनलाइन भी उपलब्ध है।

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हितग्राहियों के लिए मानक प्रक्रिया एवं आवश्यक निर्देश

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्य कार्यपालन अधिकारी आयुष्मान भारत योजना डॉ. योगेश भरसट ने आयुष्मान भारत योजना में हितग्राहियों को निशुल्क उपचार प्रदान करने के लिए प्रक्रियाओं और निर्देशों की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इन प्रक्रियाओं और निर्देशों का पालन करके हितग्राही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत नि:शुल्क उपचार का लाभ सहजता से प्राप्त कर सकते हैं।

हितग्राही अस्पताल पहुँचने के बाद सबसे पहले आयुष्मान योजना के लिए पंजीकृत कियोस्क का पता करें और अपने दस्तावेज़, जैसे आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, समग्र आईडी, पात्रता पर्ची, संबल कार्ड या इउिथ कार्ड को आयुष्मान मित्र को दिखाएं। पात्रता सत्यापन के दौरान आयुष्मान मित्र आपके आयुष्मान कार्ड और आधार/समग्र आईडी का मिलान करेगा और उपचार के लिए अस्पताल की पात्रता सुनिश्चित करेगा। सत्यापन के बाद, आयुष्मान मित्र आपको नि:शुल्क उपचार की प्रक्रिया समझाएगा और चिकित्सीय परामर्श तथा उपचार की प्रक्रिया शुरू होगी।

उपचार के दौरान हितग्राही को किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं–उपचार के दौरान हितग्राही को किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी उपकरण, दवा या सेवा के लिए अस्पताल द्वारा अतिरिक्त राशि चार्ज की जाती है, तो हितग्राही को तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर इसकी जानकारी देनी चाहिए। उपचार पूरा होने के बाद डिस्चार्ज के समय 'निल (शून्य बकाया)' राशि का बिल प्राप्त करना सुनिश्चित करें और अस्पताल से मंगलकामना पत्र लेना न भूलें।

एनएचए हेल्पलाइन नंबर 14555, एसएचए मध्यप्रदेश हेल्पलाइन नंबर 18002332085 पर कर सकते हैं शिकायत–हितग्राही से अपेक्षा की जाती है कि वे उपचार के बाद फीडबैक फॉर्म को सही जानकारी के साथ भरें और हस्ताक्षर करें। यदि किसी स्तर पर अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है या किसी प्रकार की असुविधा होती है, तो हितग्राही को तुरंत छ्क्ख हेल्पलाइन नंबर 14555 या ड्क्ख मध्यप्रदेश हेल्पलाइन नंबर 18002332085 पर शिकायत दर्ज करायें।

हितग्राही को क्या करना है (Do's):–हितग्राही को चाहिए कि वे अपने आवश्यक दस्तावेज जैसे आयुष्मान कार्ड, पात्रता पर्ची, आधार कार्ड, राशन कार्ड और समग्र आईडी अपने साथ रखें। अस्पताल पहुँचते ही आयुष्मान कियोस्क पर जाएं और आयुष्मान मित्र से अपनी पात्रता की पुष्टि करवाएं। यह सुनिश्चित करें कि अस्पताल आपकी बीमारी से संबंधित स्पेशलिटी के लिए पैनल में शामिल है। पात्रता की पुष्टिहोने के बाद नि:शुल्क उपचार प्रक्रिया को समझें और उसका पालन करें। डिस्चार्ज के समय 'निल (शून्य बकाया)' राशि का बिल प्राप्त करें और फीडबैक फॉर्म को सही जानकारी के साथ भरें। साथ ही, अस्पताल से मंगलकामना पत्र लेना न भूलें।

हितग्राही को क्या नहीं करना है (Don'ts)–हितग्राही को कभी भी आवश्यक दस्तावेजों को अस्पताल ले जाना नहीं भूलना चाहिए। नि:शुल्क उपचार के दौरान किसी भी परिस्थिति में अस्पताल को अतिरिक्त राशि का भुगतान न करें। यदि किसी विशेष परिस्थिति में राशि मांगी जाती है, तो उसकी उचित रसीद प्राप्त करना सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की असत्यापित जानकारी पर भरोसा न करें और किसी भ्रम की स्थिति में तुरंत आयुष्मान मित्र से संपर्क करें। फीडबैक फॉर्म को बिना पढ़े या अधूरी जानकारी के साथ हस्ताक्षर न करें। यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता हो, तो शिकायत दर्ज करने में देरी न करें।

विद्यार्थियों को जेईई, नीट एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी भी करवाएं-चंद्रा

नीमच, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नवोदय विद्यालय के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को नियमित अध्यापन के साथ ही जेईई, नीट एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाएं। शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष फोकस करें। फीजिक्सो, केमेस्ट्री, आईटी आदि लेब तैयार करवाएं और लेब में आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था की जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने बुधवार को पीएमश्री नवोदय विद्यालय रामपुरा में विद्यालय की प्रबंधन समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, एसडीएम मनासा श्री पवन बारिया एवं अन्यि जिला अधिकारी एवं पालक प्रतिनिधि तथा विद्यालय का स्टाफ उपस्थित था। बैठक में विद्यालय के विद्यार्थियों से मुलाकात के लिए बाहर से आने वाले अभिभावकों, पालकों के लिए आंगतुक विश्रामालय निर्माण का प्राकंलन तैयार करवाने के निर्देश भी प्राचार्य को दिए गए। बैठक में विद्यालय परिसर में पर्याप्तर प्रकाश व्यवस्था के लिए एक हाई मास्क लगाने की सैद्धातिक स्वीकृति भी प्रदान की गई। साथ ही विद्यालय में जल शुद्धीकरण संयंत्र कम्युटर लैब के लिए 10 कम्प्यूटर क्रय करने, खेल मैदान के समतलीकरण, परिसर में पेवर ब्लॉ क लगवाने, कार्यशालाओं की छत मरम्मत, पेड़ो की कटाई, छटाई करवाने की अनुमति प्रदान करने आदि बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अंत में प्राचार्य श्री नंदकिशोर पंवार ने विद्यालय परिवार की ओर से कलेक्टर को स्मृति चिन्ह भेट किया और समिति का आभार प्रदर्शन किया। कलेक्टर ने विद्यालय परिसर में निर्मित मैथ्स एवं विज्ञान पार्क का अवलोकन कर सराहना भी की।

कलेक्टर ने खिमला में ग्रीनको पावर जनरेशन प्रोजेक्ट निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

नीमच, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले के गांधी सागर जलाशय से सटे खिमला ब्लॉक में लगभग 12 हजार करोड लागत से ग्रीनको पॉवर जनरेशन प्रोजेक्ट का कार्य तेजी से जारी है। इस परियोजना के तहत गांधीसागर का जल एक बडे सम्परवेल में स्टोरेज कर उससे बिजली उत्पादित की जावेगी। इस प्रोजेक्ट की विशेषता यह है, कि इसमें पानी का पुर्न:उपयोग हो सकेगा और बिजली उत्पादन में पानी व्यर्थ नहीं बहेगा। इस प्रोजेक्टि का कार्य अक्टूबर 2025 तक पूरा कर बिजली का उत्पादन प्रारंभ हो जायेगा। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने बुधवार को नीमच जिले की रामपुरा तहसील के खिमला ब्लाक में 12 हजार करोड रूपये की लागत के ग्रीनको प्रोजेक्ट के तहत चल रहे निर्माण कार्यो का मौके पर निरीक्षण कर जायजा लिया।

कलेक्टर ने प्रोजेक्ट इंजीनियर से प्रोजेक्ट के विभिन्न कार्यो की प्रगति की जानकारी ली और निर्माण कार्य से संबंधी विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। कलेक्टर के निरीक्षण दौरान बताया गया कि गांधीसागर के किनारे पानी को रोकने के लिए एक कापर डेम व सडक का निर्माण कार्य किया गया है। साथ ही पानी के स्टोरेज के लिए ही एक बडे वाटर डेम का निर्माण एवं टनल निर्माण का कार्य भी तेजी से जारी है। इस परियोजना में लगभग दो हजार लोंगो, इंजीनियर्स एवं अन्य स्टाफ की टीम कार्य कर रही है। कलेक्टर ने ग्रीनको प्रोजक्ट के कार्य की प्रगति पर संतोष जताया। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद

डामोर, एसडीएम श्री पवन बारिया, सहायक संचालक श्री जगदीश मालवीय, तहसीलदार श्री मुकेश निगम तथा ग्रीनको प्रायवेट लिमिटेड के प्रबंधक श्री अमित कुमार सोनी एवं ईजीनियर्स एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

पीआईसी बैठक में 822 प्रकरणों को मिली मंजूरी

मंदसौर, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका परिषद की प्रेसिडेंट इन काउंसिल (पीआईसी)की बैठक कल नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में नगर पालिका सभापतिगण श्री सत्यनारायण

भाभी निलेश जैन श्रीमती निर्मला चंदवानी श्रीमती कौशल्या बंधवार श्रीमती शांति देवी फरक्या श्रीमती दीपमाला मकवाना रमेश ग्वाला सीएमओ सुधीर कुमार सिंह एवं नगर पालिका की सभी शाखाओं के प्रमुख कर्मचारीगण भी उपस्थित थे बैठक में कुल 822 प्रकरण पीआईसी के समक्ष रखे गए इन प्रकरणों में 773 प्रकरण भवन भूखंड नामांतरण व लीज अवधि वृद्धि के प्रकरण भी शामिल है बैठक में व्यापक विचार विमर्श के उपरांत कल 822 प्रकरण में से सभी 822 प्रकरणों को मंजूरी प्रदान की गई इस बैठक में नगर विकास से संबंधित लोक निर्माण जल कार्य एवं स्वास्थ्य शाखा के 49 प्रकरण भी रखे गए बैठक में नगरपालिका प्रभारी राजस्व अधिकारी मंगेश राव नवले कार्यपालन यंत्री पी एस धारवे उपयंत्री शाहिद मिर्ज़ा ,विधुरानी कौशल विकास शाखा के नरेंद्र परमार स्वास्थ्य अधिकारी हेमचंद्र शर्मा जलकार्य शाखा के मोहम्मद शाहिद राजस्व शाखा के महेश माली भी उपस्थित थे

वैश्य महासम्मेलन ने कैलेंडर विमोचन किया

मनासा, 01 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश वैश्य महासम्मेलन शाखा मनासा द्वारा कैलेंडर विमोचन किया गया : इस अवसर पर अध्यक्ष नरेंद्र मारु, संरक्षक गोपाल विजय वर्गीय, पूर्व अध्यक्ष शिखर चंद्र जैन, के सी काम रिया,प्रमोद गांधी, सुरेश विजय वर्गीय, गोपाल लड्डा ,अर्जुन विजय वर्गीय, गोपाल अग्रवाल, मुकेश झंवर, अनिल डबकरा ,गोरव मंत्री, नवनीत तोषनिवाल,सुभाष भंडारी, श्री मति मनोरमा मूँदडा,श्री मति नीलिमा मारू, स्नेहलता बंब,रेणु झंवर, गरिमा पोरवाल, श्री मति केसर विजय वर्गीय, सोनिका राठी, श्री मति भंडारी आदि सदस्य उपस्थित थे इस अवसर पर 12 जनवरी को नये सदस्यों एव नवीन कार्यकारिणी का शपथ विधि समारोह आयोजित करना तय किया गया

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक QUE/25 मंदसौर, दिनांक 31.12.2024

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 14 एमएच 5128 जो कि परिवहन कार्यालय मंदसौर में बंशीलाल उपाध्याय पिता गंगारामजी निवासी जीवागंज, मंदसौर, तह. मंदसौर जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी की मृत्यु दिनांक 29.10.2017 को हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु उनकी पत्नी श्रीमती नानीबाई पति बंशीलाल निवासी जीवागंज, मंदसौर, तह. मंदसौर जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

बीजेपी जिलाध्यक्ष चुनाव:आज...

पेज 1 से जारी

को भोपाल स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रदेश संगठन चुनाव प्रभारी सरोज पांडेय, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के अलावा प्रदेश संगठन चुनाव अधिकारी और सह चुनाव अधिकारी जिलेवार निर्वाचन अधिकारियों से चर्चा करेंगे। इसमें पैनल के नामों पर विचार होंगा।

पैनल में शामिल नेताओं का रिकॉर्ड भी देखा जाएगा–बीजेपी के मंडल अध्यक्षों के चुनाव में 100 से ज्यादा शिकायतें आई थी। इनमें कई शिकायतें उम्र छिपाने को लेकर आई थी। अब जिलाध्यक्ष की पैनल में शामिल तीन दावेदारों की उम्र के दस्तावेज देखे जाएंगे। इसके अलावा यह भी देखा जाएगा कि कोई आपराधिक मामला तो दर्ज नहीं हैं। पार्टी के खिलाफ काम करने के मामले में कोई पहले कार्रवाई तो नहीं हुई है।

रिपिट हो सकते हैं दर्जन भर जिलाध्यक्ष–करीब एक दर्जन ऐसे जिलाध्यक्ष हैं, जिन्हें फिर से मौका मिल सकता है। हालांकि बीजेपी संगठन चुनाव के पदाधिकारियों का कहना है कि कार्यकाल नया ही माना जाएगा। यानी चुनाव प्रक्रिया के बाद तीन साल के लिए इनकी नियुक्ति मानी जाएगी।

कार्यालय कलेक्टर जिला मंदसौर (म.प्र.) एवं पदेन उप सचिव म.प्र. शासन राजस्व विभाग

ई.क्रमांक 2025/रीडर/भू-अर्जन/2024 मंदसौर, दिनांक-18.12.2024
प्रक्र.-0002/अ-82/2024-25

घोषणा

(अंतर्गत धारा 19 भूमि अर्जन पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन के उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013) (क्रमांक 30 सन 2013)

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची क्रमांक 1 मंदसौर जिले में दाब युक्त सुक्ष्म एवं वृहद सिंचाई परियोजना के लिए आवश्यक वर्णित भूमि जिसका कृषकवार/व्यक्तिवार सर्वे क्रमांक विवरण अनुसूची (2) में उल्लेखित है।

अतः भूमि-अर्जन पुनर्वास और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (क्रं.30 सन 2013) की धारा 19 के अंतर्गत यह घोषित किया जाता है कि निम्न वर्णित अनुसूची (2) की भूमि की अनुसूची (1) में अंकित सार्वजनिक प्रयोजनार्थ आवश्यकता है।

अनुसूची (1)

ग्राम अरनिया जटिया तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर

स.क्रं.	विवरण	अर्जित की जाने वाली भूमि का रकबा हेक्टर में: सिंचित	असिंचित	कुल
1	ग्राम अरनिया जटिया	0.200	--	0.200
		0.200	--	0.200

अनुसूची (2)

ग्राम अरनिया जटिया उपखण्ड मल्हारगढ़ जिला मंदसौर में आने वाली निजी भूमि का विवरणः-

स.क्रं.	प्रभावित कृषक का नाम	खसरा नम्बर	कुल भूमि का रकबा हे.में	प्रभावित भूमि: सिंचित हे.में	असिंचित	कुल
1	2	3	4	5	6	7
1	गोपाल पिता देवीलाल जटिया नि. ग्राम अरनिया जटिया तह. मल्हारगढ़ भूमि स्वामी अहस्तांतरणीय	205/5	0.50	0.04	---	0.04
2	भगतराम पिता नंदा, जगदीश पिता नाथू जाति जटिया, नि. ग्राम अरनिया जटिया तह. मल्हारगढ़ भूमि स्वामी अहस्तांतरणीय	205/6	0.22	0.02	---	0.02
3.	भेरुलाल पिता रामचंद्र, हुलासबाई पति भेरुलाल जटिया निवासी अरनिया जटिया तह. मल्हारगढ़ भूमि स्वामी अहस्तांतरणीय	205/7	0.25	0.02	---	0.02
4	दयाराम पिता रामचंद्र, कुशालीबाई पति दयाराम जटिया निवासी अरनिया जटिया तह. मल्हारगढ़ भूमि स्वामी अहस्तांतरणीय	205/9	0.75	0.06	---	0.06
5	हीरालाल पिता किशनलाल, जशोदाबाई पति हीरालाल निवासी अरनिया जटिया तह. मल्हारगढ़ भूमि स्वामी अहस्तांतरणीय	205/8	0.50	0.03	---	0.03
6	वरदीबाई बेवा रामचंद्र, अमृतराम, दयाराम पिता रामचंद्र जटिया नि.ग्राम अरनिया जटिया तह. मल्हारगढ़, जिला-मंदसौर	170	0.70	0.03	---	0.03
	कुल योग		2.92	0.20	---	0.20

भूमि का नक्शा (प्लान) का अवलोकन कार्यालय भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी उपखण्ड मल्हारगढ़ के न्यायालय में किया जा सकता है।

(अदिति गर्ग)
कलेक्टर, जिला मंदसौर एवं पदेन उपसचिव
म.प्र. शासन राजस्व विभाग

G-21026/24 **दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।**

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in